डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 44 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 26 नवम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

छोटे भ्राता

प्रत्युष सोमानी

को आज जन्म दिन पर

हार्दिक बधाईयां- शुभकामनाएं

--- बधाईकर्ता ---

कुणाल सोमानी एवं सोमानी परिवार, मंदसौर

साहेब गाड़ी सरकारी काम के लिए है..!

आरटीओ खुद ही नियमों को जेब में लेकर चल रहे

⁂ अधिकारियों की गाड़िया चल रही जनता के पेट्रोल से ⁂ सरकारी वाहनों का उपयोग हो रहा निजी काम में

मंदसौर, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सरकार अफसरों को वाहन सरकारी कामकाज में उपयोग करने के लिए देती है। सरकारी काम के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान जाने के लिए सरकारी वाहन का उपयोग किया जा सकता है। वाहन ही नहीं, पेट्रोल का रुपया भी सरकार देती है। मतलब अप्रत्यक्ष रूप से जनता ही सरकारी गाड़ियो का खर्च उठा रही है। जिससे विभागीय काम हो सके। लेकिन, जिले में कई अधिकारी ऐसे हैं जो बाजार में निजी काम के लिए इसका उपयोग करते हुए नजर आ सकते हैं। आए दिन बाजार में किसी अधिकारी की नेमप्लेट लगी सरकारी अटैच वाहन नजर आ जाएगा। स्थिति यह है कि वाहनों के रजिस्ट्रेशन, पंजीयन, लाईसेंस, जांच पड़ताल का जिम्मा उठाने वाले परिवहन विभाग के अधिकारी ही नियमों को ताक पर रखकर सरकारी वाहन का निजी उपयोग कर रहे हैं।

डी मार्ट पर डीएफओ- आरटीओ का वाहन...

कलेक्टोरेट रोड पर स्थित डी मार्ट पर रविवार को अच्छी खासी भीड़ रही। कई चार पहिया वाहन यहां खड़े थे। इसमें आरटीओ और डीएफओ का वाहन भी खड़ा था। रविवार को अवकाश का दिन था। सात बजे बाद कोई सरकारी मिटिंग भी नहीं हो सकती। अगर होती भी तो डी मार्ट पर कोई सरकारी बैठक नहीं हो सकती। मतलब साफ था कि दोनों ही वाहनों का उपयोग डीमार्ट पर निजी काम के लिए किया जा रहा था। संभवत: डीमार्ट पर घरेलू सामान खरीदने के लिए वाहन लाया गया था। रविवार की यह घटना सिर्फ एक उदाहरण है।

वन विभाग का वाहन सवालों के घेरे में...?

वन विभाग में एक वाहन अन्यत्र जिले का अटैच है। जबकि, अधिकांश सरकारी विभागों में स्थानीय स्तर के लोगों ने अपने वाहन अटैच कर रखे हैं। कहीं न कहीं अधिकारियों से सेटिंग के बल पर मंदसौर से कई किमी दूर रहने वाले व्यक्ति ने अपना वाहन वन विभाग में अटैच किया है। जिसका भुगतान लगभग पचास हजार रुपए प्रतिमाह हो रहा है। यहां तक ठीक है, लेकिन सूत्र बताते हैं कि इस वाहन के पहिए सरकारी कामों के लिए थमे हुए है, अधिकारी निजी काम में उपयोग कर रहा है। जबकि, उनके पास खुद का एक सरकारी वाहन उपलब्ध है?

निजी वाहनों पर नहीं लिख सकते पदनाम...

सरकारी अधिकारी अपने निजी वाहनों पर नेम प्लेट या पद नाम की प्लेट नहीं लगा सकते। सरकार ने सरकारी अधिकारियों से लेकर लोक उपक्रमों के वरीष्ठ अधिकारियों तक के लिए नियम बनाए है। इन नियमों के मुताबिक, सिर्फ़ सरकारी गाड़ियों पर ही नेम प्लेट लगाई जा सकती है। वाहनों पर नाम, पद, जाति, भूतपूर्व पद या संगठनों के पदों का नाम, गांव का नाम लिखवाना भी मना है। ऐसा करने पर एमवी एक्ट के तहत 2 हजार रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। मतलब साफ है कि जो वाहन सरकारी अधिकारी के पदनाम की प्लेट लगे हुए घूम रहे हैं, वह विभागों में अटैच वाहन ही है।

आरटीओ तो हद कर रहे...

किसी भी तरह के वाहनों द्वारा नियमों का उल्लंघन किया जाता है तो कार्रवाई का अधिकार जिला परिवहन विभाग को है। जिलेभर में नियमों को ताक पर रखकर मौत बनकर दौड़ रही बसें ही बता रही है कि जिला परिवहन विभाग अपना कितना कर्तव्य निभा रहा है। यहां तक तो ठीक है सरकारी गाड़ियों का निजी उपयोग करके विभाग के ही अधिकारी नियमों को तोड़कर हद कर रहे हैं।

कुख्यात तस्कर बाबू सिंधी ने रतलाम के डॉक्टरों से मिलकर बेटे की बीमारी के बनाए थे फर्जी दस्तावेज

जांच में हुआ खुलासा, दो डाक्टर हुए निलंबित, पैरोल अवधि बढ़ाने के लिए कूटरचित दस्तावेजों का किया उपयोग

रतलाम/नीमच, 25 नवंबर। कुख्यात तस्कर बाबू उर्फ जयकुमार सिंधी ने उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर से दिसंबर 2023 में एक माह के लिए अस्थाई पैरोल ली थी। पैरोल की अवधि बढाने के लिए उसने उसके बेटे के गंभीर बीमारी के फर्जी व कूटरचित दस्तावेज तैयार किए। रतलाम सिविल सर्जन की जांच में खुलासा होने के बाद संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं भोपाल ने जिला अस्पताल रतलाम के डॉ. जीवन चौहान व डॉ. रवि दिवेकर को निलंबित कर दिया है। इन दोनों डॉक्टर ने ही कुख्यात तस्कर बाबू सिंधी के बेटे को गंभीर बताकर कूटरचना पूर्वक फर्जी दस्तावेज तैयार किए थे। इन दस्तावेजों को तस्कर बाबू सिंधी ने इंदौर हाईकोर्ट में लगाए और इस आधार पर हाईकोर्ट इंदौर द्वारा अस्थाई जमानत की अवधि एक माह और बढा दी थी। इसी दौरान 4 फरवरी 2024 को तस्कर बाबू सिंधी ने प्रसिद्ध समाजसेवी अशोक अरोरा (गंगानगर) पर हमला किया। जांच रिपोर्ट में खुलासा होने के बाद तस्कर बाबू सिंधी से इन डॉक्टरों की मिलीभगत तो सामने आई है। साथ ही हमले में डॉक्टरों की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है। दोनों डॉक्टरों के निलंबन के बाद मिलीभगत पर मुहर लग गई है।

कुख्यात तस्कर बाबू सिंधी को हाईकोर्ट इंदौर खंडपीठ से 19 दिसंबर 2023 को एक माह के लिए अस्थाई पैरोल मिली थी। भोपाल सेंट्रल जेल से बाबू सिंधी को एक माह के लिए रिहा कर दिया था, जेल से एक माह के लिए अस्थाई पैरोल पर छूटते ही बाबू सिंधी समाजसेवी

प्रसिद्ध समाजसेवी अशोक अरोरा गंगानगर पर हुए हमले के मामले में नया मोड़, अब रतलाम के डाक्टरों की भूमिका भी आई सामने

श्री अरोरा को जान से मारने की योजना में जुट गया और योजनाबद्ध तरीके से शूटरों को इस काम को अंजाम देने के लिए

शामिल किया। लेकिन, एक माह में वह समाजसेवी पर हमला नहीं करवा सका तो उसने अस्थाई पैरोल की अवधि बढाने का षड्यंत्र रचना शुरू कर दिया। समाजसेवी अशोक अरोरा पर हमला करवाने वाले सुनियोजित योजना में बाबू सिंधी ने रतलाम के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आलोट के मेडिकल आफिसर डॉ. रवि दिवेकर, जिला अस्पताल रतलाम के मेडिकल विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक अरोरा, एमडी मेडिसिन डॉ. जीवन चौहान को शामिल कर लिया। डॉक्टरों ने बाबू सिंधी के नाबालिग बेटे को फर्जी तरीके से गंभीर बताकर आईसीयू में भर्ती करवाया। पैथोलॉजी जांच भी नहीं करवाई और बिना उपचार जिला अस्पताल में भर्ती रखकर सिकनेस सर्टिफिकेट जारी कर दिया। जबकि, तस्कर बाबू सिंधी के बेटे को कोई ऐसी बीमारी नहीं थी, जिसमें सर्जिकल व मेडिसिन की आवश्यकता हो। उसे आईसीयू में भर्ती करने जैसी कोई बात नहीं है। बच्चा जन्म से ही एबनार्मल है। ये ही दस्तावेज बाबू सिंधी ने हाईकोर्ट इंदौर में लगाए और 17 जनवरी 2024 को एक माह के लिए अस्थाई पैरोल बढ गई। बाद में 4 फरवरी 2024 को समाजसेवी अरोरा पर हमला करवाया गया। डॉक्टरों की भूमिका सामने आने के बाद इस प्रकरण में नया मोड आ गया है। पैरोल पर आने के बाद बाबू सिंधी हमले की फिराक में लग गया था, बाबू ने उसके बेटे को कथित रूप से गंभीर बीमारी बताने और जिला अस्पताल रतलाम में भर्ती किए जाने के लिए डॉक्टरों से मिलीभगत कर डॉक्टरों की रिपोर्ट का हवाला एक माह की पैरोल अवधि बढाने के लिए हाईकोर्ट में दिया। कूटरचित दस्तावेज तैयार करने व फर्जी रूप से गंभीर बीमार न होते हुए भी जिला अस्पताल में भर्ती किए जाने के अपराध में डॉक्टरों के साथ-साथ बाबू सिंधी भी अपराधी है। वहीं बाबू के साथ-साथ सुनियोजित ढंग से हमले की साजिश में डॉक्टरों का भी रोल सामने आया है।

तीन डॉक्टर की भूमिका सामने आई, दो डॉक्टर पर गिरी गाज...

रतलाम सिविज सर्जन ने इस मामले की जांच की और जांच में खुलासा हुआ कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आलोट के मेडिकल आफिसर डॉ. रवि दिवेकर, जिला अस्पताल रतलाम के मेडिकल विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक अरोरा, एमडी मेडिसिन डॉ. जीवन चौहान कूटरचित दस्तावेज फर्जी बीमारी के तैयार किए। फिलहाल डॉ रवि दिवेकर और डॉ. जीवन चौहान को निलंबित कर दिया है, निलंबन अवधि में डॉ चौहान को बुरहानपुर और डॉ. दिवेकर को नीमच जिला अस्पताल अटैच किया है।

खुद के अपहरण और मारपीट की शिकायत 100 डायल पर की...

पुलिस को गुमराह कर समूह लोन से बचने के लिए किया नाटक

मंदसौर, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस को गुमराह करने के लिए एक व्यक्ति ने डॉयल 100 को कॉल कर अपहरण और मारपीट की शिकायत की। पुलिस ने मशक्कत कर बारह घंटे में शिकायकर्ता को ढूंढ लिया। जब जांच पड़ताल की गई तो पता चला कि पुलिस को गुमराह किया जा रहा है। हकीकत यह सामने आई कि समूह लोन की किश्त से बचने के लिए यह पूरा नाटक रचा गया।

24 नवंबर को सुबह 04 बजे मंदसौर केवायडी नगर थाने के ग्राम नौगांवा निवासी चमन लाल मेघवाल पिता कचरू लाल उम्र 45 साल ने डायल 100 कंट्रोल रूम भोपाल पर सूचना दी। जिसमें उसने बताया कि वह खेत पर है। सात से आठ व्यक्ति उसके पीछे पड़े हैं। उसके साथ मारपीट कर उसका अपहरण कर रहे हैं। सूचना पर तत्काल पुलिस ने संज्ञान लिया। विभिन्न टीमों को व्यक्ति की खोज हेतु लगाया गया। निरीक्षक संदीप मंगोलिया और चौकी प्रभारी मुल्तानपूरा उप निरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय ने घटना स्थल जाकर ग्रामीणों के साथ मिलकर संभावित स्थानों और रेवास देवड़ा की पहाड़ियों में व्यक्ति की तलाश प्रारंभ की। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से रेवास देवडा के जंगल से उक्त व्यक्ति को 12 घंटे के अंदर ढूंढ निकाला। व्यक्ति पुलिस को गुमराह करते हुए कभी कुछ कभी कुछ बता रहा था। जब पुलिस ने घटना का रिक्रिएशन किया और सख्ती से पूछताछ की तो उक्त व्यक्ति टूट गया। उसने पुलिस और परिजनों को बताया कि समूह लोन की किश्त नहीं भर पा रहा था। इस कारण डायल 100 पर मारपीट और अपहरण का झूठा इवेंट दिया। मोबाइल और मोटर साईकिल कुएं पर रखकर पैदल-पैदल रेवास देवड़ा पहाड़ी पर चला गया और दिन भर वहीं रहा।

स्मैक और केमिकल के साथ 2 तस्कर धराएं, 8 आरोपी होने की खबर...?

मंदसौर, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस कप्तान के निर्देश पर थाना पुलिस द्वारा तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत दलौदा पुलिस को महती सफलता मिली हैं।

भरोसेमंद सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मुखबीर सूचना पर दलौदा थाना पुलिस ने फतेहगढ- निरधारी फंटे से मोटर साइकिल सवार 2 युवकों को पकडा। इन आरोपियों के कब्जे से 275 ग्राम स्मैक और केमिकल जप्त किये जाने की जानकारी मिली हैं। यह भी बताया गया हैं की पुलिस द्वारा पकडे गए दोनों युवक सोनगरी से स्मैक लेकर बादाखेडी तरफ किसी को देने जा रहे थे। सूत्रों की माने तो पकडाए आरोपियों के बयानों के आधार पर पुलिस ने एनडीपीएस की धारा 8/29 में करीब 8 लोगो को आरोपी बनाने की तैयारी कर ली हैं। फिलहाल दलौदा पुलिस ने सोनगरी निवासी राजू मेवाती एवं रईस मेवाती निवासी मंदसौर को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया हैं। आरोपियों से स्मैक के साथ कैमिकल भी जप्त किया गया हैं। पुलिस जल्द ही मामले का खुलासा कर सकती हैं।

सिद्धचक्र विहार में लाखों की चोरी, नकदी और जेवरात ले गए

मंदसौर, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर की सिद्ध चक्र विहार कॉलोनी में रविवार रात एक सुने मकान में अज्ञात बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश घर का ताला तोड़कर अंदर घुसे और सोने-चांदी के गहनों सहित करीब 20 लाख रुपए का सामान चुरा ले गए। मामले में कोतवाली पुलिस जांच कर रही है।जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र के सिद्ध चक्र विहार कॉलोनी के गली नम्बर 2 में स्थित मुकेश धाकड के मकान में बीती रात बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। फरियादी ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। फरियादी मुकेश धाकड ने बताया कि वे अपने परिवार के साथ शनिवार को गांव गए थे। जहां से आज सुबह एक विवाह समारोह में शामिल होने भवानी मंडी पहुंचे थे। सुबह 9 बजे पडोसी ने उन्हें फोन पर चोरी होने की जानकारी दी। इसके बाद दोपहर में 2 बजे वे मंदसौर पहुंचे तो घर के दरवाजे के ताले टूटे हुए थे और सारा समान बिखरा हुआ था। मुकेश के अनुसार बदमाश सुने घर से साढे 6 लाख रुपए नकदी, 120 ग्राम सोना और 1 किलो वजन की चांदी की रकम चुरा ले गए। बदमाशों ने करीब 18 से 20 लाख रुपए की चोरी को अंजाम दिया।

सीएसपी-टीआई पहुंचे मौके पर, की जांच...

रविवार को सीएसपी सतनाम सिंह, टीआई पुष्पेंद्र सिंह राठौर मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। टीआई ने बताया कि सिद्ध चक्र विहार कॉलोनी में चोरी हुई हैं। लेकिन, अब तक कितना सामान चोरी हुआ, इसका आकलन नहीं किया गया है।

गोदी सेठ को बचाने के लिए राजनेता व मीडिया हाऊस है, रुपए की घटती कीमत, देश की साख कौन बचाएगा..?

मंदसौर/उज्जैन, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। देश के राजनेताओं से लेकर उद्योगपतियों और अर्थ जगत के विद्वानो में चर्चा है कि अमेरिकी एफबीआई ने भारत के गोदी सेठ पर कार्रवाई शुरू कर दी है। विश्व समाचार अनुसार भारत के उद्योगपति गोदी सेठ के अवैध आर्थिक कारनामों को हिडेनबर्ग ने उजागर कर तहलका मचा दिया था। अब केन्या ने इसी भारतीय सेठ को दिए हुए लाखों डॉलर के कामों के अनुबंध को अपनी संसद में सबके सामने निरस्त कर दुनिया भर को यह मैसेज दे दिया कि भारतीय गोदी सेठ आर्थिक फर्जीवाड़ा करने के आदी है। इस संदेश ने दुनिया भर के उन राष्ट्रों को डराने के साथ चेता भी दिया कि अगर आप लोगों ने इस गोदी सेठ की किसी कंपनी से अनुबंध किया है तो संभल जाए। संभल गए तो बाकी राष्ट्र भी कहीं केन्या सरकार की तरह गोदी सेठ से किया हुए अनुबंध को समाप्त न कर दें।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सेठ के खिलाफ जो भी कार्रवाई होगी, सार्वजनिक हो ही जाएगी। पर इसी के साथ जुड़ी हमारे देश की साख भी तो गिरना तय है। दुनिया भर में चर्चा है कि हमारा संविधान बहुत लचीला है। इसीलिए करवाई की गति धीमी होती है और दोषसिद्ध होने में भी समय लगता है। किन्तु, विदेशी कानून किसी पर भी आपराधिक कार्रवाई शुरू करने से पहले आधिकारिक सबूत को एकत्रित कर आधार बनाया जाता है। जिसे पुख्ता कार्रवाई कह सकते हैं। एसबीआई के इस प्रकरण ने भारत के अनेक वर्ग को दो हिस्सों में बांट दिया है। जैसे वर्तमान सरकार के समर्थक मीडिया हॉउस गोदी सेठ पर लगे आरोपों को खारिज करते हुए अभी प्रमाणित होना बाकी बता रहे हैं। तो कुछ गोदी सेठ पर लगे आरोप को व्यावसायिक स्पर्धा का गंदा खेल बता रहे हैं। जबकि, विपक्ष ने सदन में भी गोदी सेठ के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए यहां तक कहा कि बाजार में भारत की साख खराब कर रहे हैं। कार्यवाही भारत में ही शुरू की जाए। इसके अलावा अर्थ जगत विदेश नीति के जानकार और यु ट्यूबर तो स्पष्ट कह रहे हैं कि गोदी सेठ ने दुनिया भर में फर्जीवाड़ा कर देश को बदनाम किया है। देश में उनके खिलाफ लगे आरोपों की गंभीर जांच कराना चाहिए। देश की जनता को गोदी सेठ का सच जानने का अधिकार है।

चन्द्रमोहन भगत

देश की साख के साथ रुपए की अंतरराष्ट्रीय कीमत भी लगातार गिरती जा रही है। इससे भी भारत की वैश्विक साख पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। चिंता का विषय इसलिए भी है कि हमसे छोटे देश की करेंसी भारत के मुकाबले बेहतर स्थिति में है। डेढ़ माह पहले भारत के पास 705 बिलियन विदेशी एक्सचेंज का रिजर्व था, यही अब गिरकर 650 बिलियन डॉलर पर आ गया है। 55 बिलियन डॉलर हमने रुपए की साख बचाने के लिए बाजार में झोंक दिए हैं। पहले रुपया की एक डालर के मुकाबले 83.40 रुपए बाजार में कीमत थी, जो दर अब बढ़कर 84.50 रुपए तक पहुंच चुका है। यानी 45 दिनों में साख बचाने के लिए, वह भी 55 बिलियन अंतरराष्ट्रीय बाजार में झोंकने के बाद रुपया 90 पैसे टूट गया।

यह उल्लेख भी आवश्यक है कि विदेशी एक्सचेंज की राशि को एक सीमा तक ही रुपयो को बचाने के लिए खर्च कर सकते हैं। उसके बाद रुपए की साख को कैसे बचाएंगे। भारत में सरकार किसी की बने बहुमत से बने या अत्यधिक बहुमत से बने, कांग्रेस की बने या बीजेपी की। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा में वहां के मापदंड अलग हैं। व्यापार की स्थिति भी देखिए, हमने आयात सिर्फ चीन से ही पिछले अप्रैल से सितंबर तक 6 महीने में 57 बिलियन डॉलर का किया था। जबकि निर्यात सिर्फ 6 बिलियन डॉलर का किया। अंदाज लगाइए चीन को ही हम 9 गुना ज्यादा डॉलर का भुगतान आयात के बदले में करेंगे। और सिर्फ एक गुना निर्यात के बदले पाएंगे तो रुपए साल भर में ही डॉलर के मुकाबले कितना गिर जाएगा। जबकि, इन्हीं 6 महीना में भारत का कुल निर्यात 393.22 बिलियन तथा आयात 448.05 बिलियन डॉलर का होना दर्शाया गया है। सरकार आ रही है, जा रही है। शेखी भी बघार रही है। इधर गोदी सेठ के लिए भी चिंता पालने वाले अनेक हैं। पर भारत के रुपए की गिरती साख पर ध्यान नहीं दिया तो देश के साथ देशवासियों के अतंर्राष्ट्रीय व्यवसाय पर नकारात्मक असर पडना निश्चित तय हो जाएगा।

HAPPY BIRTHDAY HAPPY BIRTHDAY HAPPY BIRTHDAY

बुलंदियो के आसमान को छुना तुम चांद बनकर।
जीवन में महको तुम गुलशन की शान बनकर॥

हमारे परम प्रिय, मां सरस्वती के वरद पुत्र, दैनिक गुरु एक्सप्रेस के संपादक

श्री आशुतोष नवाल

को आज जन्मदिवस पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

⁂⁂⁂⁂⁂⁂⁂⁂⁂⁂⁂⁂ बधाईकर्ता ⁂⁂⁂⁂⁂⁂⁂⁂⁂⁂⁂⁂

विनोद सम्राट, आलोक शर्मा, विनोद डगवार, कन्हैयालाल दया, मनजीतसिंह टूटेजा मनी, भूपेन्द्र सांखला, पंकज जैन (तिलक), उत्कर्ष मण्डोवरा (पिण्टू), आशीष जैन (सौरभ दूध), हेमन्त बुलचंदानी, जितेश पण्ड्या, राजू राठौर, घनश्याम शर्मा कालू, पप्पू सरोगा खानपुरा, सुनील ठाकुर कंट्रोल, दीपक साहू (गज्जु सम्राट), विक्रम सम्राट, संदीप साहू (चीता), हेमन्त आडवाणी, सुरेश होतवानी (सूरी), आशीष नवाल, भारतसिंह तोमर, सचिन जैन, पिन्टू शर्मा, हरिश मण्डोवरा, जीआर सोनगरा, संजीव परमार, संदीप बारोदिया, प्रीतमसिंह सौलंकी, श्याम ग्वाला बम, लखन ग्वाला, कुणाल सोमानी, ओमप्रकाश बारोदिया, रोहित शुक्ला, प्रांजल शर्मा एवं मित्र मण्डल, मंदसौर (म.प्र.)

विचार-मंथन

जलवायु संकट की जिम्मेदारी केवल विकासशील देशों पर है?

दुनिया भर में जलवायु पर मंडराते संकट का दायरा इतना व्यापक और गंभीर है कि विश्व के सभी देश चिंतित हैं और मिल-बैठ कर इसका समाधान निकालना चाहते हैं। इस मकसद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जलवायु सम्मेलन होते रहते हैं। मगर इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि दशकों से हर वर्ष आयोजित सम्मेलन में ज्यादातर देशों की हिस्सेदारी के बावजूद अब तक कोई ऐसा खाका सामने नहीं आ सका है, जिसमें जिम्मेदारियों और जवाबदेहियों के मसले पर एक न्यायपूर्ण दृष्टि अपनाई जाए और उस पर सभी देशों की सहमति बने। नतीजतन, जलवायु संकट पर आयोजित सम्मेलनों के बाद अब तक कोई ठोस प्रारूप सामने नहीं आ सका है। इस मसले की गंभीरता को समझने और स्वीकार करने के बावजूद ज्यादातर देशों के बीच मतभेद और अपनी जवाबदेही से दूर भागने की प्रवृत्ति क्यों बनी हुई है! गौरतलब है कि इस वर्ष अजरबैजान के बाकू में हुए सीओपी-29 में भी विकसित और विकासशील देशों के बीच समस्याओं की गहराई पर विचार में कोई कमी नहीं देखी गई, मगर समाधान के रास्ते और जिम्मेदारियों के स्तर पर सहमति नहीं बनी। बाकू में विकासशील देशों के लिए नए जलवायु वित्त पैकेज का मसविदा तो पेश किया गया, लेकिन उसमें प्रमुख मुद्दे बरकरार रहे। दरअसल, विकसित देश अब भी इस सवाल का जवाब देने से कतरा रहे हैं कि वे 2025 से विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए हर वर्ष कितना वित्तीय सहयोग देने को तैयार हैं। विकासशील देशों ने लगातार इस पक्ष को उठाया है कि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती और जलवायु अनुकूलन के लिए उन्हें कम से कम तेरह खरब अमेरिकी डालर की जरूरत है। विचित्र यह है कि बाकू में पेश संशोधित मसविदे में विकसित देशों से वित्तीय सहयोग की जरूरत के पहलू को तो स्वीकार किया गया, लेकिन इस पर सहमति के मामले में कोई ठोस उपलब्धि हासिल नहीं हुई। यह समझना मुश्किल नहीं है कि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के उपाय लागू करने के संदर्भ में विकासशील देशों को किन जटिल स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है! इसमें कोई दोराय नहीं कि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन जलवायु संकट के लिए सबसे बड़े कारकों में से एक है और बिना देरी किए इसका समाधान निकालने के लिए रास्ते तलाशने की जरूरत है। मगर सवाल है कि क्या इसके लिए केवल विकासशील देश जिम्मेदार हैं! जब भी इस समस्या के दायरे और इसकी जिम्मेदारी लेने की बात उठाई जाती है तो विकसित देशों की ओर से आखिर किन वजहों से कार्बन उत्सर्जन को मुख्य सवाल बनाने की कोशिश होती है? इन्हीं वजहों से गुरुवार को भारत को यह स्पष्ट रूप से कहना पड़ा कि वह विकासशील देशों के लिए जलवायु वित्त से ध्यान हटा कर उत्सर्जन में कमी लाने पर ध्यान केंद्रित करने के विकसित देशों के किसी भी प्रयास को स्वीकार नहीं करेगा। यह छिपा नहीं है कि विकासशील देशों में अभी विकास किस स्तर की चुनौतियों से गुजर रहा है, जबकि विकसित देशों में संसाधनों और सुविधाओं के उपभोग की स्थिति यह है कि जलवायु संकट के लिए जिम्मेदार ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को लेकर अक्सर वही कठघरे में खड़े पाए जाते हैं। विकसित देशों में जलवायु से जुड़े खतरे को लेकर चिंता है, तो जरूरत इस बात की है कि इस समस्या की जिम्मेदारी विकासशील देशों पर थोपने के बजाय वे खुद आगे आकर इसके ठोस हल का रास्ता निकालने में अपनी भूमिका तय करें।

आरोप भारत में लगाया तो अमेरिका में जांच कैसे शुरू हो गई?

कमलेश पांडे

बता दें कि यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी ऑफिस ने अदाणी पर भारत में सोलर एनर्जी से जुड़ा कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 265 मिलियन डॉलर (2200 करोड़ रुपए से ज्यादा) की रिश्वत देने का आरोप लगाया है, जो एक गम्भीर बात है। क्योंकि यूएस अटॉर्नी ऑफिस ने आरोप में कहा है कि अदाणी ने अपनी कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी को सोलर एनर्जी से जुड़े प्रोजेक्ट्स और कॉन्ट्रैक्ट दिलाने के लिए भारतीय अधिकारियों को 2100 करोड़ रुपए से ज्यादा की रिश्वत दी है। मसलन, अदाणी पर आरोप है कि उन्होंने 2021 में आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। उसके बाद राज्य सरकार 7,000 मेगावाट बिजली खरीदने पर सहमत हुई थी। आंध्र के अधिकारियों को 25 लाख रुपये प्रति मेगावाट की दर से कथित रिश्वत दी गई। इसके अलावा, अमेरिकी सिक्यूरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन ने भी कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगाया। खास बात यह है कि उन्होंने इस बात को उन अमेरिकी बैंकों और इंवेस्टर्स से छिपाया है, जिनसे अदाणी ग्रुप ने इस प्रोजेक्ट के लिए अरबों डॉलर जुटाए थे। लिहाजा, अमेरिकी प्रोसिक्यूटर्स का दावा है कि कंपनी के दूसरे सीनियर अधिकारियों ने कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को पैसा देने पर सहमति जताई थी। बता दें कि अडानी समूह ने साल 2021 में एक बॉन्ड ऑफर कर अमेरिका के अलावा दूसरे इंटरनैशनल इंवेस्टर्स और अमेरिका के बैंकों से फंड जुटाया है। अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) ने बयान में कहा है कि कथित साजिश के तहत अदाणी ग्रीन ने अमेरिकी निवेशकों से 17.5 करोड़ डॉलर से अधिक जुटाए और एज्यूर पावर का शेयर न्यूयॉर्क शेयर बाजार में लिस्टेड किया। साथ ही, न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने अदाणी, सागर अदाणी, सिरिल कैबनेस और अदाणी ग्रीन और एज्यूर पावर से जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक आरोप लगाए हैं। वहीं, अदाणी ग्रुप ने रिश्वतखोरी के आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें बेबुनियाद बताया है। उसने कहा है कि ग्रुप सभी कानूनों का पालन करता रहा है। वह इस मामले में सभी कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करेगा। ग्रुप के प्रवक्ता ने अमेरिकी न्याय विभाग के बयान का हवाला दिया, जिसमें कहा गया जिसका अडानी पर यह केवल आरोप है और जब तक दोष साबित न हो जाए तब तक प्रतिवादियों को निर्दोष माना जाएगा। लिहाजा, बयान में कहा गया कि हम आश्वस्त करते हैं कि हम एक कानून का पालन करने वाले संगठन है। अदाणी ग्रुप ने अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. के 60 करोड़ डॉलर के बॉण्ड को रद्द कर दिया है। उल्लेखनीय है कि अदाणी ग्रीन एनर्जी को गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, आंध्र प्रदेश

सहित कई राज्यों में ठेका मिला है। ऐसे में यह स्वाभाविक सवाल है कि जब भारत में रिश्वत देने के आरोप लगाए गए हैं तो फिर केस यूएस यानी अमेरिका में क्यों? इसका जवाब यही है कि अमेरिकी कानून अपने निवेशकों या बाजारों से जुड़े विदेशों में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच को आगे बढ़ाने की अनुमति देता है। चूंकि, प्रोजेक्ट में अमेरिका के इन्वेस्टर्स का पैसा लगा था और अमेरिकी कानून के तहत उस पैसे को रिश्वत के रूप में देना अपराध है, इसलिए अमेरिका में मामला इसलिए दर्ज हुआ।चूंकि अमेरिका भारत का मित्र देश भी है, इसलिए ये आरोप अहम हैं। हालांकि, जिस तरह से अमेरिकी चुनावों में परास्त राष्ट्रपति जो बाइडेन के मातहत प्रशासन ने रूस के खिलाफ यूक्रेन को भड़काने और भारत के उद्योगपति को भ्रष्टाचार के मामले में उलझाने की पहल जाते-जाते की है, इसके अंतर्राष्ट्रीय सियासी मायने को भी समझने की जरूरत है। शायद वह भावी ट्रंप प्रशासन के लिए मुश्किलें पैदा करना चाहता हो। सवाल यह है कि आखिर यह हंगामा किन-किन प्रोजेक्ट्स को लेकर मचा है? तो जवाब यही होगा कि अमेरिकी प्रोसिक्यूटर्स के अनुसार, एनर्जी कंपनी के संस्थापक और अध्यक्ष गौतम अदाणी है। अदाणी ग्रीन एनर्जी के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी है, जो उनके भतीजे हैं। इसके अलावा, एज्योर पावर के सीईओ रहे रंजीत गुप्ता, एज्योर पावर में सलाहकार रूपेश अग्रवाल अमेरिकी इश्यूअर हैं। हुआ यह है कि अदाणी ग्रीन एनर्जी और अमेरिकी इश्यूअर ने सरकारी स्वामित्व वाली सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई) को 12 गीगावाट सोलर एनर्जी उपलब्ध कराने का कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया था। हालांकि, एसईसीआई को सौर ऊर्जा खरीदने के लिए भारत में खरीदार नहीं मिल पाए। लिहाजा खरीदारों के बिना सौदा आगे नहीं बढ़ सकता था और दोनों कंपनियों के सामने बड़े नुकसान का जोखिम था। इसलिए अदाणी ग्रुप और एज्योर पावर ने भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने की योजना बनाई। तो फिर यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर में रिश्वत का हिस्सा किनको किनको मिला? उसमें भी सबसे बड़ा हिस्सा किनको मिला? इसके जवाब भी अमेरिकी प्रशासन के आरोपों से मिलते हैं। अमेरिकी प्रशासन के आरोपों के मुताबिक, इन लोगों ने तय किया कि सरकारी अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी कि वो राज्य बिजली वितरण कंपनियों को एसईसीआई के साथ बिजली आपूर्ति समझौते में शामिल होने के लिए तैयार करेंगे। शायद इसलिए उन्होंने भारतीय अफसरों को करीब 265 मिलियन डॉलर की रिश्वत देने का वादा किया, जिसका एक बड़ा हिस्सा आंध्र प्रदेश के अधिकारियों को दिया गया। फलाफल यह निकला कि इसके बाद कुछ राज्य बिजली कंपनियां सहमत हुईं और दोनों कंपनियों से सौर ऊर्जा खरीदने के लिए एसईसीआई के साथ समझौता किया। इससे साफ है कि भारतीय ऊर्जा कंपनी और अमेरिकी इश्यूअर ने मिलकर रिश्वत का भुगतान किया। इतना ही नहीं, अपनी संलिप्तता छिपाने के लिए कोड नामों का भी इस्तेमाल किया गया। अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय (न्यू यॉर्क) के अनुसार, रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के मामले में जिन्हें आरोपी बनाया गया है उनमें गौतम एस. अदाणी, सागर एस. अदाणी, विनीत एस. जैन, रंजीत गुप्ता, सिरिल कैबनेस, सौरभ अग्रवाल, दीपक मल्होत्रा, रुपेश अग्रवाल के नाम प्रमुख हैं। हालांकि, अमेरिकी कानूनों के तहत ऐसे मामलों में आमतौर पर डेफर्ड प्रॉसिक्यूशन एग्रीमेंट्स या नॉन प्रॉसिक्यूशन एग्रीमेंट्स के जरिए सेटलमेंट की इजाजत है। जिसके मुताल्लिक कुछ गलतियां स्वीकार करने, नियमों का अनुपालन बेहतर करने के वादे और जुर्माना चुकाने के साथ ही यह मामला सुलझाया जा सकता है।

वेदों और उपनिषदों की गहराइयों में छिपे रहस्य...

राजेंद्र जोशी

दरअसल, भारतीय ज्ञान परंपरा दुनिया भर में समृद्ध और सबसे प्राचीन परंपराओं में से मानी जाती है। मगर आज यह कोई मुख्य विषय नहीं है। सवाल है कि फिर भारतीय ज्ञान परंपरा से परहेज किसको है। ब्रिटिश शासन के दौरान भारतीय ज्ञान और संस्कृति को कमजोर करने का जो बारीक प्रयास हुआ, उसे आजादी के बाद वापस समृद्ध करने की कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। हालांकि इसका गुणगान करने में कोई कमी नहीं की जाती है। सवाल है कि हमारे देश के विश्वविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परंपरा को पढ़ाने में इतनी हिचकिचाहट क्यों दिखती है। देश के ज्यादातर विश्वविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परंपरा के विभाग नहीं है। उपनिषदों, पुराणों और वेदों जैसे विषयों में इसका विस्तार हमें पढ़ने को मिलता है। हमारे वेद उपनिषद में योग और ध्यान, आयुर्वेद चिकित्सा, दर्शन और न्याय जैसे विषय भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रमुख विषय रहे हैं। यह किसी व्यक्तिगत समूह या व्यक्तियों के अधिकार क्षेत्र में नहीं है, बल्कि यह प्राचीन परंपराओं का दर्शन रहा। वहीं हमारे देश में शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान की प्राप्ति था और आज की शिक्षा उपाधि-पत्र प्राप्ति तक सिमट कर रह गई है। भारत सदियों से ज्ञान परंपरा और संस्कृति के लिए अपनी अलग पहचान रखता है। परंपरागत ज्ञान भाषा, दर्शन, ज्ञान की अपरिहार्यता, लोक, मूर्तिकला पर आधारित है। कहने को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में प्राचीन ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा का समावेश करते हुए शिक्षा प्रणाली को आगे ले जाने की बात की जा रही है, लेकिन अब तक देश के ज्यादातर विश्वविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परंपरा के विषय को सुचिंतित तरीके से शुरू करने को लेकर पहल नहीं हुई है। हालांकि जिन कुछ विश्वविद्यालयों में यह विषय पहले से संचालित है, उनका उदाहरण हमारे सामने है। विगत तीन सौ वर्षों में इसका लोप हुआ है। भारतीय ज्ञान परंपरा वैदिक और उपनिषद काल के बाद बौद्ध और जैन काल में भी कायम रही। ऋग्वेद में लिखा है- 'आ नो भद्राः क्रतवो यंतु विश्वतः' यानी सात्विक विचार हर दिशा से आने चाहिए। स्वयं को और अन्य को किसी चीज से वंचित नहीं करना चाहिए। ज्ञान की बातों को ग्रहण करना चाहिए। वेद और वेदवांग्मय भारतीय ज्ञान परंपरा की आत्मा हैं। भारतीय जीवन-दर्शन को जो स्वरूप

वेद-उपनिषदों से ही मिला है, वह भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल में है। भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल में वेद विचार को भी महत्त्वपूर्ण बनाता है। वर्तमान युग में वेद अध्ययन और वैदिक परंपरा का उल्लेख प्रत्येक ग्रंथ में देखने और सुनने को मिलता है। भारतीय विश्वविद्यालय में वेदों और वैदिक वांग्मय पर हुए अनुसंधान कार्यों से भारतीय ज्ञान परंपरा की जो उपादेयता बनी है, वह आने वाली पीढ़ी के सम्मुख रखी जानी चाहिए। वैदिक परंपरा का संरक्षण एवं संवर्धन भारतीय ज्ञान परंपरा करती है। आधुनिक ज्ञान के स्रोत भी वेद ही हैं। वैदिक विचारों की सामाजिक उपयोगिता, वैदिक चिंतन और विश्व शांति जैसे सवाल का जवाब भारतीय ज्ञान परंपरा के पठन-पाठन से ही संभव है। भविष्य में जीवन को श्रेष्ठ और सुंदर कैसे बनाया जाए, यह हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा में छिपा हुआ है। नई पीढ़ी को भारतीय ज्ञान से परिचित कराने के लिए ठोस पहल होनी चाहिए, ताकि हमारे अतीत में क्या अच्छा रहा है या क्या अच्छा नहीं रहा, इस पर विवेक आधारित विश्लेषणात्मक चिंतन परंपरा मजबूत हो। वेद और उपनिषदों के अध्ययन से आध्यात्मिक और दार्शनिक ज्ञान ने भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक संरचनात्मकता को प्रभावित किया है, वहीं अनेक गूढ़ रहस्यों का विवरण भी देखने को मिलता है। योग और ध्यान रोजगार के बड़े साधन के रूप में हमारे सामने आ रहे हैं। भारतीय दर्शन और न्याय जीवन कर्म, धर्म, मोक्ष और सत्य की उच्चतम विचारों की व्याख्या ही है, जो वर्तमान समाज की प्रेरणा का स्रोत है। भारतीय ज्ञान परंपरा को विद्यार्थियों के बीच पहुंचाए जाने से हमारी वर्तमान पीढ़ी के लिए करियर के अवसर भी पैदा होंगे और वर्तमान शिक्षा व्यवस्था को भी बल मिलेगा। विचारणीय सवाल यह है कि पिछले एक दशक में भारतीय ज्ञान परंपरा को महान बताने के बावजूद ठोस रूप से इसके अध्ययन-मनन की बात कौन कर रहा है।

चीन है, भरोसा करने में समय तो लगेगा

भारत और चीन के बीच ईस्टर्न लद्दाख में एलएसी पर देपसांग और डेमचॉक में गतिरोध खत्म कर पेट्रोलिंग शुरू करने का समझौता हुए एक महीना हो गया। समझौते के तहत ही यहां काम हो रहा है। दोनों जगह डिसइंगेजमेंट के बाद पेट्रोलिंग शुरू हो चुकी है। अभी बस यह शुरुआत है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि अगला चरण डीएस्कैलेशन का होगा यानी दोनों देशों की सेनाएं यहां से सैनिकों और सैन्य साजोसामान को पीछे हटाएंगी और संख्या कम करेंगी। हालांकि इसमें काफी समय लग सकता है, कई साल का समय। अभी भी सबसे बड़ा फैक्टर दोनों देशों की सेनाओं के बीच विश्वास बहाली का है। इस दिशा में कदम बढ़े हैं, लेकिन वक्त तो लगेगा ही। देपसांग और डेमचॉक में गतिरोध खत्म करने को लेकर सहमति 21 अक्टूबर को बनी। इसी दिन विदेश मंत्रालय की तरफ से इसका ऐलान भी किया गया। अगले दिन भारतीय सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि हम भरोसे को बहाल करने और एक-दूसरे को आश्वस्त करने की कोशिश कर रहे हैं। 23 अक्टूबर से इन दोनों पॉइंट्स पर दोनों सेनाओं ने टेंट और टेंपरी स्ट्रक्चर हटाना शुरू कर दिया था। 31 अक्टूबर को फाइनल वेरिफिकेशन के लिए जॉइंट पेट्रोलिंग की गई। अप्रैल 2020 के बाद यह पहली पेट्रोलिंग थी। इसके बाद नवंबर में दोनों देशों ने इंडिपेंडेंट पेट्रोलिंग शुरू की। अब डेमचॉक और देपसांग के एक-एक पॉइंट पर दोनों सेनाएं अपनी-अपनी पेट्रोलिंग कर चुकी हैं। देपसांग के चार पॉइंट और डेमचॉक के एक पॉइंट पर भी पेट्रोलिंग होगी। देपसांग में कुल 5 पॉइंट हैं और डेमचॉक में 2 पॉइंट, जहां भारतीय सेना अप्रैल 2020 से पहले पेट्रोलिंग करती आई है। मिलिट्री सूत्रों का कहना है कि इन सब पॉइंट्स पर ही पेट्रोलिंग करने में करीब एक महीने का वक्त लग जाएगा। इसके बाद इन सब जगह पहले की तरह ही फ्रीक्वेंसी में पेट्रोलिंग होनी है। जब लगातार पहले की तरह पेट्रोलिंग करते रहेंगे, तब जाकर एक-दूसरे पर विश्वास बहाल होगा कि स्थिति सामान्य हो रही है। जब देपसांग और डेमचॉक में भरोसा हो जाएगा कि सब ठीक है, उसके बाद बफर जोन पर पेट्रोलिंग शुरू करने पर बात होगी। इसमें भी काफी वक्त लगने की संभावना है। ईस्टर्न लद्दाख में पैंगोग एरिया, गलवान के पीपी-14, गोगरा और हॉट स्प्रिंग एरिया में जब डिसइंगेजमेंट हुआ था, तब पेट्रोलिंग शुरू नहीं की गई थी। वहां बफर जोन बना दिए गए थे, यानी चीन और भारत में से किसी के सैनिक पेट्रोलिंग नहीं कर सकते। बफर जोन पर पेट्रोलिंग को लेकर बातचीत शुरू होने और इसमें सहमति बनने तक में काफी वक्त लग सकता है। पहले वर्किंग मैकेनिज्म फॉर कंसल्टेशन एंड कोऑर्डिनेशन मीटिंग होगी। सीनियर अधिकारी बताते हैं कि इस मीटिंग में ही दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की बैठक की तारीख पर बात हो सकती है। मिलिट्री स्तर पर (दोनों देशों की सेना के बीच कोर कमांडर स्तर की) मीटिंग उसके बाद होगी। बातचीत कई चरणों में हो सकती है। डीएस्कैलेशन के लिए सबसे बड़ा फैक्टर विश्वास बहाली है। अभी ईस्टर्न लद्दाख में दोनों तरफ से 50-50 हजार से ज्यादा सैनिक पूरे सैन्य साजो सामान के साथ तैनात हैं। थोड़े से भी सैनिकों की संख्या कम करने से पहले भरोसा बहाल होना जरूरी है। मिलिट्री सर्कल में इसे लेकर लगातार बात भी होती रही है। आर्मी चीफ भी कई मौकों पर कह चुके हैं कि भरोसा बनने में टाइम लगता है। मिलिट्री सर्कल में इसे लेकर सोच साफ लगती है कि एलएसी से सैनिकों को कम करना इतनी जल्दी नहीं हो रहा है। इसकी वजह यह है कि एक बार हाई एल्टिट्यूट से सैनिकों की संख्या कम कर दी, और अगर कहीं फिर उन्हें वहीं तैनात करने की जरूरत पड़ी तो इसमें मुश्किल आ जाएगी। ऊंचाई पर मौसम के अनुरूप ट्रेंड और ढल चुके सैनिकों को फिर वापस ले जाने में दिक्कत आएगी और बहुत वक्त लगेगा।

स्टेडियम कमेटी को दुकानों से प्राप्त राशि खिलाड़ियों एवं खेल मैदान पर खर्च करना चाहिए-अग्रवाल

नोबल क्रिकेट अकादमी द्वारा आयोजित टी-20 क्रिकेट स्पर्धा में डायनेमिक इलेवन विजेता रही

मंदसौर, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। क्रिकेट खेल अनिश्चितता का खेल है कब कौन अचानक विजेता बन जाता है यह कह नहीं सकते हैं। हर गेंद पर अलग-अलग स्थिति निर्मित हो जाती है। मैदान को जिंदा खिलाड़ियों ने रख रखा है मंदसौर में क्रिकेट के प्रति जो अपार उत्साह देखने को मिलता है वह वास्तव में नोबेल क्रिकेट अकादमी जैसी संस्थाओं की वजह से ही देखने को मिल पाता है। स्टेडियम कमेटी को जो दुकानों से किराया प्राप्त होता है वह किराया राशि मैदान के रखरखाव ओर खिलाड़ियों के उम्र खर्च करना चाहिए।

उक्त विचार नोबेल क्रिकेट अकादमी द्वारा स्थानीय संजय गांधी स्टेडियम में सात दिवसीय ओपन टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन के फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में नेशनल मीडिया फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष एवं नोबल क्रिकेट अकादमी के संरक्षक श्री नरेंद्र अग्रवाल ने व्यक्त किये। समापन समारोह में जिला क्रिकेट एसोसिएशन के चेयरमेन श्री एस एस भाटी , वरिष्ठ पत्रकार श्री संजय वर्मा , श्री बंशीलाल टांक , श्री सईद भाई खेडे वाले, सलीम भाई प्रेस वाले आदि मंचस्थ थे। नेशनल मीडिया फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने कहा कि मंदसौर का स्टेडियम मैदान काफी अच्छा है इस मैदान के आसपास बडी संख्या में दुकानों का निर्माण है और उनसे किराया की आमदनी भी प्राप्त होती है किराए से प्राप्त आमदनी मैदान के रखरखाव एवं खिलाड़ियों पर यदि खर्च होगी तो निश्चित रूप से मंदसौर के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपना अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे। नोबल क्रिकेट अकादमी द्वारा आयोजित क्रिकेट स्पर्धा में 8 टीमों ने भाग लिया जिसमे नोबल क्रिकेट अकादमी, दशपुर क्रिकेट अकादमी ,एस पी इलेवन, दशपुर क्लब इलेवन, डायनेमिक इलेवन, सुल्तान इलेवन, डी के इलेवन ने सम्मिलित थी। जिसमें एसपी इलेवन और डायनामिक इलेवन के मध्य फाइनल मैच हुआ। जिसमें एसपी इलेवन ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया एसपी इलेवन के खिलाड़ियों ने 20 ओवर में 151 रन 6 विकट के नुकसान पर

बनाएं। जिसमें भारत चावड़ा 13 रन ,शमी पोरवाल 41रन, भूरू भैया 28 रन और दिलीप सिंह ने 34 रन का योगदान दिया । डायनेमिक इलेवन की ओर से राशिद खान ने तीन विकेट लिए ,कमल सिंह ने दो विकेट लिए इसके जवाब में डायनेमिक इलेवन में 20 ओवर में 155 रन 4 विकेट के नुकसान पर बनाकर 6 विकेट से जीत हासिल की। डायनेमिक इलेवन की ओर से विशाल हिरानी ने 66 रन, हिमांशु चौहान ने 35 रन, बंटी ने 30 रन और कमल सिंह ने 12 रन का योगदान दिया।फाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच विशाल हिरानी रहे। विजेता टीम को 11000 नगद व ट्रॉफी और उपविजेता टीम को 5000 व ट्राफी अतिथि द्वारा प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालक नोबेल क्रिकेट अकादमी के अध्यक्ष साबिर भाई पान वाले ने किया तथा आभार समीर खान ने माना।

सोयाबीन खरीदी हेतु पुर्णायु वेयर हाऊस घसोई में बनाया

मंदसौर, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने बताया कि सोयाबीन खरीदी हेतु पूर्णायु वेयर हाउस घसोई में खरीदी केन्द्र बनाया गया है। इस केन्द्र पर पंजीकृत किसानों के 31 दिसम्बर 2024 तक खरीदी होगी। प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित रूनिजा के पंजीकृत किसान से ही खरीदी की जावेगी।

जिला स्तरीय जनसुनवाई मल्हारगढ़ में आज

मंदसौर, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा बताया गया कि 26 नवंबर, मंगलवार को जिला स्तरीय जनसुनवाई मल्हारगढ जनपद पंचायत सभागार में प्रात 11 बजे से आयोजित होगी। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग आम जनों की समस्याओं को सुनेगी तथा निराकरण करेगी।

अवैध शराब सहित पकड़ा

पिपलियामंडी, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने अवैध शराब सहित आरोपियों को पकड़ा। पिपलिया पुलिस ने 5 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब सहित अम्बाव निवास बबलू पिता बंशीलाल को, मल्हारगढ पुलिस ने 16 क्वार्टर के साथ लसुडिया कदमाला निवासी राजू पिता गोवर्धनलाल को पकड़ा। इसी तरह मल्हारगढ पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते हुए छोटी गुडभेली निवासी शंभूलाल पिता नंदराम को पकड़ा।

पानी की चोरी के मामलों पर सख्त कार्यवाही करें-कलेक्टर

हम होंगे कामयाब पखवाड़ा 10 दिसंबर तक चलेगा, साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न

मंदसौर, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सुशासन भवन स्थित सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने सभी एसडीएम, नगर पालिका सीएमओ को निर्देश देते हुए कहा कि, पानी की चोरी के मामलों एवं शिकायत पर सख्त कार्यवाही करें। कहीं भी पानी की चोरी को लेकर कोई समस्या नहीं रहनी चाहिए। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, सभी जिलाधिकारी मौजूद थे।

हम होंगे कामयाब पखवाड़ा 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलाया जाएगा। इस पखवाड़े में जेंडर आधारित हिंसा उन्मूलन हेतु जागरूकता पर आधारित कार्यक्रम होंगे। इसमें सभी विभाग अपनी-अपनी गतिविधियां आयोजित करें। जल संसाधन विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि, सिंचाई परियोजना द्वारा किसानों के खेतों में पानी भर जाने से अगर किसी किसान की फसल को नुकसान हुआ है तो किसान को मुआवजा देने की कार्यवाही करें। कृषि विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि खाद की पर्याप्त उपलब्धता रहे। खाद को लेकर किसी प्रकार की समस्या ना हो। स्वास्थ्य विभाग आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए डोर टू डोर कैंपेन लगातार चलाएं। इसके लिए नगरीय निकाय के सीएमओ और उनके स्टाफ को प्रशिक्षण प्रदान करें। भूमि आवंटन के प्रकरण आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज करें। जिससे भूमि आवंटन में आगे की कार्यवाही पूर्ण की जा सके।

बेटी और बहनों की सुरक्षा एवं सम्मान, हर व्यक्ति की है जिम्मेदारी-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने की 'हम होंगे कामयाब' अभियान को सफल बनाने की अपील, राज्य, जिला, विकासखंड एवं ग्राम स्तर तक जागरूकता गतिविधियां होगी आयोजित

नीमच, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए संचालित किए जा रहे विशेष जागरूकता अभियान 'हम होंगे कामयाब' पखवाड़े को सफल बनाने की अपील की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जारी अपने संदेश में कहा है कि हमारी बेटियों और बहनों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना आवश्यक है। बेटियों और बहनों की सुरक्षा और सम्मान केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। इस दृष्टिसे 25 नवम्बर से 19 दिसम्बर तक 'हम होंगे कामयाब' पखवाड़ा मनाने जा रहे हैं। इसमें पुरूष वर्ग की भूमिका ज्यादा अहम है। पुरूष अपनी सोच और व्यवहार में बदलाव लाकर समाज में फैले नकारात्मक दृष्टिकोण को चुनौति दे सकते हैं, जो महिलाओं के प्रति हिंसा का मुख्य कारण है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सब पुरूषों की जिम्मेदारी है, कि हम अपने समाज और परिवार में अपनी माता-बहनों को सुरक्षित रखें और उनकी चिंता करें। हमें जन्म से ही घर में लड़कों को यह सिखाना होगा कि हर बेटी और महिला का सम्मान करें। बेटियों के साथ शारीरिक हिंसा या शोषण न हो, इसकी चिंता करें और उन्हें अपने बराबर का समझें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह आवश्यक है कि माता-पिता अपने बच्चों को जागरूक करें और महिलाओं पर होने वाली हिंसा का विरोध करें। साथ ही समाज और परिवार में सभी समानता का माहौल बनाएं। बेटे-बेटी और महिला- पुरूष का भेदभाव समाप्त होना चाहिए। महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए समाज, सरकार और कानून सभी का समान रूप से सहयोग आवश्यक है। तभी हम एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकेंगे। जहां हर महिला और हर बहन सुरक्षित होगी और अपने सपनों को साकार कर सकेगी।

चाइल्ड लाइन 1098 या महिला हेल्प लाइन 181 पर कर सकते हैं डायल–मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यदि किसी को मदद की जरूरत हो तो तुरंत चाइल्ड लाइन 1098 या महिला हेल्प लाइन 181 पर डायल कर सकते हैं। डायल 100 पर भी सम्पर्क कर मदद ली जा सकती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार सभी की इज़्ज़त करते हुए विशेष रूप से माता और बहनों के प्रति समाज के योगदान को कभी नहीं भूलेगी। सरकार महिलाओं के साथ सदैव खड़ी दिखाई देगी। आईए हम सब मिलकर 'हम होंगे कामयाब' पखवाड़े को सफल बनाएं।

पखवाड़ा अंतर्गत होंगी अनेक जागरूकता गतिविधियाँ–'हम होंगे कामयाब' पखवाड़े में लगातार 15 दिन विभिन्न विभागों के समन्वय से जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी। पखवाड़े के प्रथम दिन राज्य स्तरीय दो दिवसीय जेंडर संवेदीकरण कंसल्टेशन कार्यक्रम होगा, जिसमें सभी जिलों के संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी वर्चुअल शामिल होंगे। दूसरे दिन युवाओं के साथ 'जेन्डर आधारित हिंसा' पर संवाद और 'जेन्डर आधारित हिंसा का मनो-वैज्ञानिक प्रभाव' विषय पर चर्चा होगी। साथ ही जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर जेंडर संवेदनशीलता और जेन्डर आधारित मुद्दों से निपटने पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, बाल देखभाल संस्थान के कर्मचारियों, वन स्टॉप सेंटर, शक्ति सदन, शौर्य दल और शक्ति निवास तथा ऊर्जा महिला डेस्क कर्मियों के लिये वेबिनार एवं कार्यशाला होगी। पखवाड़े के तीसरे दिन 27 नवम्बर को जिला, विकासखण्ड एवं ग्राम स्तर पर बाल विवाह निषेध अधिनियम और इन कानूनों के उल्लंघन के कानूनी परिणामों पर वेबिनार और सत्र का आयोजन और बाल विवाह मुक्त भारत की प्रतिज्ञा दिलाई जायेगी। इसी क्रम में महिलाओं के अधिकारों, हेल्पलाइन और ब्कए इजद पोर्टल के प्रति जागरुकता लाने, पास्को, घरेलु हिंसा और बाल विवाह निषेध जैसे प्रमुख कानूनों का प्रचार-प्रसार संचार के विभिन्न माध्यमों से किया जायेगा। जिला, विकासखण्ड और ग्राम स्तर पर घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम पर संवाद कार्यक्रम होंगे। घरेलू हिंसा की रिपोर्ट करने और उपलब्ध सहायता सेवाओं तक पहुंचने के महत्व पर केन्द्रित गतिविधियाँ होंगी। इसके अतिरिक्त कानूनी जागरूकता संबंधी कार्यशाला के साथ सेमिनार, संवाद, काव्य प्रतियोगिता, पीसी और पीएनडीटी एक्ट के प्रति जागरूकता लाने रैली, चित्रकला प्रतियोगिता और सामुदायिक चर्चाएँ होंगी। पखवाडे अंतर्गत समुदाय जेंडर उन्मुखीकरण, संस्थागत संबंधों को मजबूत करना, सकारात्मक मर्दानगी पुरुषत्व विषय पर संवेदीकरण, आपातकालीन हेल्पलाइन एवं साइबर सुरक्षा पर जागरूकता, कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा, साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल साक्षरता के प्रति जानकारी देकर जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी। पखवाडे के अंतिम दिन राज्य स्तरीय समापन कार्यक्रम होगा, जिसमें स्थानीय जन-प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। साथ ही सभी जिलों से अधिकारी वर्चुअल शामिल होंगे।

सुरेश अलबेला नाइट्स कार्यक्रम का आनन्द लिया श्रोताओं ने

मंदसौर, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मेला के सांस्कृतिक रंगमंच पर प्रतिदिन रात्रि 8.30 बजे से देर रात्रि तक विविध कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। कल रविवार की रात्रि को नगरपालिका परिषद मंदसौर के द्वारा सुरेश अलबेला नाइट्स का आयोजन किया गया। सुरेश अलबेला हास्य व्यंगकार ने रात्रि 9.30 बजे जैसे ही मंच पर आमद दी चहुंओर तालियां गूंज उठी। उन्होंने कहा कि टेंशन की बात मैं नहीं करता हूँ क्योंकि इसमें दिमाग पर लोड पड़ता है। उन्होंने कम पढ़े लिखे लोग भी प्रतिभावान हो सकते है उसे सिद्ध करने के लिये कहा आप पढ़े लिखे लोग मेरे जैसे पांचवी पास को सुन रहे है। उन्होंने कहा कि अमीर का घर वहीं है जहां बुजुर्ग एवं बच्चे मुस्करा रहे हो। सुरेश अलबेला ने शराबियों पर व्यंग करते हुए कहा कि शराबियों के कारण ही कोरोना काल में देश की अर्थव्यवस्था उपर उठी थी। सरकार को भी सबसे ज्यादा भरोसा शराबियों पर था इसलिए उसने दारू की दुकाने सबसे पहले खोलने की अनुमति दी।

शराबियों ने भी एक ही दिन में करोड़ों की दारू पी ली इससे कोरोना काल में देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई। उन्होंने कहा कि भारतीय ट्रेनों में चोरी रोकने के लिये ही रेल्वे अपने शौचालय में डिब्बे को चेन से बांध देते है लेकिन चेन इतनी छोटी रखते है कि वह डिब्बा सही मुकाम तक नहीं जा पाता। उनके इस व्यंग पर खूब ठहाके लगे। उन्होंने हकलाने वाले व्यक्ति की भी खूब मिमिक्री की जिसे सभी ने सराहा। सुरेश अलबेला ने दिल्ली सरकार के द्वारा आतिशबाजी पर प्रतिबंध पर भी व्यंग किया और कहा कि मुख्यमंत्री का नाम आतिशी है लेकिन जनता आतिशबाजी नहीं कर सकती। उन्होंने देश की नायिका व नायक कैसे हो उस पर कहा कि विमल गुटखे का प्रचार करने वाले हमारे देश के नायक नहीं है बल्कि देश का नायक किसान व जवान है जो खेत में और सीमा पर अपने कर्तव्य का पालन करता है। उन्होंने सेल्फी लेने वाली लड़कियों पर व्यंग किया कि बीडी पीने वाले का मुंह और सेल्फी लेने वाले का मुंह एक जैसा होता है। कार्यक्रम में जितेन्द्र चौहान रतलाम, टीना राव कोटा ने भी एक के बाद एक गीतों की प्रस्तुतियां दी। भोपाल के आरबीएम डांस ग्रुप ने रात्रि 9 बजे गणेश वंदना के गीत पर मनमोहक नृत्य करके कार्यक्रम की शुरूआत की। इससे पूर्व कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पधारे महिला नेत्री सुषमा आर्य, श्रीमती सुनीता पालीवाल, भाजपा नेता पारस मावर, गोपाल पटवा, पूर्व पार्षद सुरेश भावसार, पत्रकार नरेन्द्र अग्रवाल, महेश जैन तहलका, संजय वर्मा, सिंधी समाज के प्रमुख दृष्टमदास नैनवानी, प्रमोद ककनानी, डॉ. कमल संगतानी, वासुदेव सेवानी, राजेश चाहूजा, मनोहर नैनवानी, दयाराम जैसवानी, वासुदेव खेमानी, गिरीश भगतानी, ताराचंद जेठवानी के द्वारा माता सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इनका सभी अतिथियों का स्वागत नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, मेला सभापति भावना जयप्रकाश पमनानी, मेला समिति सदस्यगण रेखा राजेश सोनी ऐरावला, ईश्वरसिंह चौहान एडवोकेट, दीपक गाजवा, माया भावसार, दिव्या अनूप माहेश्वरी, संगीता शैलेन्द्र गोस्वामी, नपा सभापति दीपमाला मकवाना, निलेश जैन, पार्षद कमलेश सिसोदिया, गोवर्धन कुमावत, राकेश भावसार, नरेन्द्र बंधवार, नंदलाल गुजरिया, अनूप माहेश्वरी, बब्बू पमनानी आदि के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन चन्द्रशेखर नागदा व संजय चौधरी ने किया।

अभी तक नेता होते रहे मालामाल लेकिन...

पहली बार लाड़ली बहना के चमत्कार से नेता भी नही कर सकते इनकार

मंदसौर, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के 23 नवंबर 2024 को है चुनाव परिणाम ठीक एक दूसरे के विपरीत है दोनों विधानसभा में चुनाव प्रचार के मुद्दे मुख्य रूप से एक थे लेकिन महाराष्ट्र में अमृत रूपी लड़की बहन ने नया पर लगाने में महत्वपूर्ण रही कहा जाए तो कोई आश्चर्य नहीं होगा जिस महाराष्ट्र में शिवसेना वह भाजपा का दबदबा रहा उसमें शिवसेना का जमीर को देना उसे दिन स्पष्टहो गया था जब संजय रावत जैसे नेता के आए दिन विचार सामने आए और उद्धव ठाकरे जी की राजनीति में महत्वाकांक्षा उजागर हुई और उन्होंने उसे कांग्रेस से हाथ मिलाया जिसके बाला साहब ठाकरे घोर विरोधी रहे शिवसेना का हिंदुत्व उसी दिन धूमिल हो गया और उद्धव ठाकरे जी कांग्रेस के संग्रह मुख्यमंत्री जी की कुर्सी पर बैठ गए हिंदुत्व के लिए तभी से शिवसेना सफाई देती रही लेकिन उन्हें यह नहीं मालूम था कि वह हिंदुत्व के छोले से बाहर निकल गए हैं चाहे कितनी सफाई में देते रह।

महावीर अग्रवाल

मार्च और झारखंड के विधानसभा चुनाव में नतीजे तो दोनों के ठीक एक दूसरे के विपरीत आए लेकिन भाजपा दूसरे दलों पर परिवारवाद भ्रष्टाचार आदि मुद्दों को लेकर उंगली उठती रहती है उसके लिए झारखंड में वह टिकट वितरण में क्यों बेहोश हो गई भ्रष्टाचार की गंगा कहां नहीं बढ़ रही है यदि ऐसा है तो उसे नेता और विभाग का संसद में सम्मान किया जाना चाहिए खैर यह उनका अपना जांच कर कदम उठाने का मुद्दा हो सकता है लेकिन खासकर झारखंड में उसके नेता वहां की जनता में जागृति लाने में असफल रहे हैं एक हेतु सेफ है और बाटेंगे तो काटेंगे वाला मुद्दा वहां भी रहा देश में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के पति जनता का विश्वास के प्रति वहां के नेता इसे भी ठीक से धरातल पर नहीं उतर पाए वहां हर की समीक्षा यदि भाजपा हाई कमान को करनी है तो पहले वहां के भाजपा के नेताओं की कार्य पद्धति व संगठन के हालात पर भी जाना चाहिए और जो वास्तविकता निकाल कर आए उसे पर सही में अमल करना चाहिए। जी हां महाराष्ट्र के चुनाव परिणामों को लेकर न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश में भी खुशी होना स्वभावी के महाराष्ट्र देश का वह धनाढ्य ए राज्य है जिस पर सभी नाज करते हैं महाराष्ट्र में चुनाव से पहले वहां की राज्य सरकार ने लड़की बहन योजना चालू की इस समय यह मान लिया जाना चाहिए था कि एक है तो सेफ है बाटेंगे तो काटेंगे और श्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता बरकरार है मध्य प्रदेश विधानसभा के 2024 में हुए चुनाव के पहले केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में लाडली बहन योजना चालू की केवल यह योजना ही चालू नहीं की बल्कि मंदसौर जिले के सीतामऊमें हुए एक कार्यक्रम में अपनी मां की गाथा का वर्णन करते हुए कहा था कि वह एक रात तो रात भर सो नहीं पाए यह सोचकर कि अपने प्रदेश की बहनों को क्या दूं और जब उन्हें लाडली बहन योजना के लिए तरीका पता चला तो वह खुश हुए और बस लाडली वनों के लिए योजना चालू कर दी।

एक अवसर पर चर्चा में जब एक बहुत ही सटीक उत्तर सामने आया तो सभी बड़े खुश हुए बात लाडली बहन योजना की थी चर्चा थी थी कि अभी तक तो नेता मतदान करने की अपील करते रहते थे और चुनाव जीतने के बाद वह मालामाल हो जाते जो नेता गरीबों के लिए लड़ाई लड़ते रहते हैं वह कब अमीर बन जाते हैं लेकिन पहली बार महिलाओं को ही सही थोड़ा बहुत प्रथम पुष्पम तो मिलता जा रहा है करते हैं रामबाण अचूक होता है और यही अचूक बाण महाराष्ट्र में भी असर दिख गया अब अभी तो यह शुरू हुआ है जनता को भी समझ में आ गया है कि रामबाण अचूक होता है और यही अचूक बाण महाराष्ट्र में भी असर दिख गया अब अभी तो यह शुरू हुआ है जनता को भी समझ में आ गया है और नेताओं को भी लेकिन आगे यह क्या रंग दिखाएगी कौन जाने। महाराष्ट्र चुनाव में जो शिवसेना अपना हिंदुत्व का परचम लहराती रहती थी उसने अपना यह कठोर परिश्रम से पाया विश्वास सड्ढ की कुर्सी के लिए पलक झपकते ही खो दिया अब क्या शिवसेना उद्धव ठाकरे अपने कोई इस परिश्रम का फिर से प्राप्त करने का प्रयास करेगी या वह भी अब नए राजनीतिक दल की तरह अपना दल भी चलाएगी यह आगे उसके कार्य पद्धति से पता चल सकेगा भाजपा ने अपनी पहचान बनाई रखी और उधर एकनाथ शिंदे ने शिवसेना की इस रूप में पहचान को आगे बढ़ाने में अभी तक सफल रहे लेकिन आगे उनकी भूमिका पर भी सबकी निगाहें रहेंगी लेकिन वह शिवसेना बनाते तो अब अतीत में चली गई तो कौन जाने। महाराष्ट्र में 288 में से महायुती को 234व महा अघाड़ी को मस्टर 48 सीटो पर ही संतोष करना पड़ा। यहां कांग्रेस वह शरद पवार कांग्रेस को भारी धक्का लगा वाकई में इनको सच्चे दिल से समीक्षा कर जनता के दिल की आवाज को पहचानना चाहिए इसी तरह झारखंड में इंडिया गठबंधन को 56 व एनडीए को 24 सिम ही मिली इतने कठोर प्रयास के बाद भी भाजपा बढ़ गई जो भाजपा कहती है वह इस राज्य में क्यों नहीं हुआ उसे भी सच्चे दिल से वह काम करना चाहिए जो वह कहती है वरना तो जनता को तो चुनाव में ही मौका मिलता है और नेता को जब कुर्सी नहीं मिलती तब उसे अपनी गलतियों का एहसास होता है या नहीं वह ही जाना। देश के 13 राज्यों की 46 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में एनडीए को 26 और कांग्रेस को 7 सिम ही मिली लोकसभा उपचुनाव में वानर से कांग्रेस की उम्मीदवार प्रियंका वाड्रा और महाराष्ट्र के नांदेड़ से कांग्रेस को विजय श्री मिली है अब आगे राजनीति में क्या नया होता है निगाहें सबकी उसे और है।

महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया

मंदसौर, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय,मंदसौर के प्राचार्य डा.पी.एल.पाटीदार ने बताया कि महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया गया। सड़क सुरक्षा के मुख्य अतिथि श्री मनोज कुमार सोलंकी (यातायात प्रभारी, मंदसौर) ने ई-4 1. इंजिनियर 2. एज्युकेशन 3. इन्फोर्समेंट यूनिट 4. इन्वायरमेंट जो कि यातायात से जुडे होते है उन विषयेां पर प्रकाश डाला। साथ ही आग्रह किया कि प्रशिक्षण संस्थानों में ट्रेफिक कोर्स को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए।

आपने लाइसेंस की महत्वता व बनवाने की प्रक्रिया के बारे में बताया। अंत में इनके द्वारा बताया कि एक्सीडेंट के एक घण्टे के भीतर (जिसे गोल्डन अवर भी कहते हैं) मरीज को ईलाज मिल जाता है तो उसकी जान बचने के पूरे चान्स रहते है। इसके लिए सूचना देने वाले को ईनाम के भी प्रावधान है। विषय प्रवर्तन करते हुए श्री शैलेन्द्र सिंह चैहान (ट्रेफिक सूबेदार, मंदसौर ने हेलमेट का महत्व बताया कि किस प्रकार देश में आधी से ज्यादा दुर्घटनाओं में बिना हेलमेट के कारण मृत्यु हो जाती है। कार में सीट बैल्ट बांधने के महत्व को भी बताया ताकि दुर्घटना की स्थिति में बचाव हो सके। वर्तमान में आधुनिक मोबाईल युग में युवा फिल्मों के प्रभावित होकर खतरनाक स्टंट वाली रिल्स बनाते है जो कि बेहद जोखिमभरी होती है। ऐसे विडियो बनाने एवं देखने से बचना चाहिए। आपने यातायात सुरक्षा संकेतों के ज्ञान की उपयोगिता एवं महत्वता का विस्तार से प्रकाश डाला। गुरू तेगबहादूर शहादत दिवस पर महाविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रो.दिलीपसिंह कांदिल ने गुरू जी की शहादत के बारे में बताया एवं दिल्ली के चैक पर हुई घटना का जिक्र किया। अंत में सभी ने गुरूजी को नमन किया। अतिथियों का स्वागत महाविद्यालयीन स्टाफ द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा.अनुराग आर्य ने किया एवं आभार डा.कविता बुन्देला माना। इस अवसर पर शिक्षण स्टाफ एवं 75 से अधिक छात्रायें उपस्थित रही।

शिक्षकों के शिक्षण कौशल विकास हेतु डाइट में प्रारंभ हुआ अंग्रेजी भाषा प्रशिक्षण

मंदसौर, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान भोपाल के तत्वावधान में जिले के न्यूनतम परीक्षा परिणाम वाली शालाओं के शिक्षकों का डाइट मंदसौर के प्राचार्य डॉ दिलीप सिंह राठौर के मार्गदर्शन मे प्रशिक्षण का प्रारम्भ किया गया।

प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र मे डॉ. प्रमोद कुमार सेठिया, रामेश्वर डांगी ने संबोधित किया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में विकास होगा। विद्यालय में बच्चों का अकादमिक उन्नयन होगा। प्रशिक्षण प्रभारी रामदयाल जोशी ने विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की। पांच दिवसीय तीन चरणों में यह प्रशिक्षण पूर्ण होगा। प्रशिक्षण राज्य से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर शंभूसिह चुण्डावत, निर्मला मेघवाल, राधेश्याम रायकवार, स्मिता चौधरी प्रदान कर रहे है।

राजस्व महा अभियान के तहत श्रीपुरा एवं मुकेरा में शिविर सम्पन्न

नीमच, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिले में चलाए जा रहे राजस्व महा अभियान के तहत गांव-गांव में विशेष राजस्व शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही राजस्व अमले द्वारा डोर-टू-डोर खसरा, ई-केवायसी का कार्य भी किया जा रहा है। राजस्व महाअभियान के तहत आयोजित शिविर में सोमवार को विकासखण्ड जावद के ग्राम श्रीपुरा एवं मुकेरा में आधार अपडेशन, खसरा, ई-केवायसी एवं फार्मर रजिस्ट्री का कार्य राजस्व अमले द्वारा किया गया।

जिला उपार्जन समिति द्वारा विभिन्न उपार्जन केन्द्रों के सेंपल का निरीक्षण किया

मंदसौर, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। उप संचालक कृषि कल्याण विभाग के अधिकारी ने बताया कि कलेक्टर श्रीमति अदिति गर्ग के निर्देशानुसार जिला उपार्जन समिति द्वारा विभिन्न उपार्जन केन्द्रों के सेंपल का निरीक्षण किया गया। जिन केन्द्रों पर नान एफएक्यू क्वालिटी की सोयाबीन फसल की खरीदी की गई, उन्हे नोटिस जारी किया। एफएक्यू क्वालिटी की खरीदी हेतु चैतावनी दी गई। साथ ही कृषक भाईयों से अपील की गई हैं कि वे केवल एफएक्यू क्वालिटी की सोयाबीन ही उपार्जन केन्द्रों पर विक्रय हेतु लावें।

महिला को पीटा, सास, ननद व जेठानी पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। महिला के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने सास, जेठानी व ननद पर केस दर्ज किया। मंशाखेडी निवासी शारदाबाई पति कारुलाल बंजारा ने नारायणगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि खेत पर फसल देखने गई थी इसी दौरान मेरी सास सजनीबाई पति धुरीलाल बंजारा, जेठानी रेखा पति हीरालाल, ननद बादामबाई ने कहा खेत पर क्यों आई और गाली-गलौज कर मारपीट की। जिससे कंधे, पीठ पर चोटे आई। पुलिस ने तीनों पर केस दर्ज किया।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	237	2270	2390
उड़द	80	5000	6300
सोयाबीन	4500	3701	4401
गेहूं	2500	2691	3081
चना	380	5600	6470
मसूर	80	5225	6200
धनिया	275	5555	7160
लहसुन	12500	17000	30000
मैथी	670	5031	6800
मुंगफली	8000	3500	5400
अलसी	1465	5601	6000
सरसो	254	5500	5900
तारामीरा	2	4201	4381
इसबगोल	106	9500	12800
प्याज	10000	1000	3300
कलौंजी	10	15000	17720
तुलसी बीज	4	15001	20281
डॉलर	41	7800	12300
तिल्ली	53	8200	12000
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	0000	0000	0000
असालीया	36	9201	11111
मूंग	0000	0000	0000

आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा सम्मान समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा दीपावली शुभकामना आयोजन तथा भले लोगो का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर साहित्यकार श्री भगवतीप्रसाद गेहलोत ने कहा कि सद्गुण, सद्भाव और संस्कार भले लोगो के आचरण और व्यवहार के कारण टिके हुए है। भले लोग अपने काम को पूजा मानकर करते है तथा कभी भी

यश कीर्ति की कामना नही करते। ऐसे लोगो का सम्मान करने से अच्छी प्रवृत्तियों को प्रोत्साहन मिलता है। प्रमुख वक्ता श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि धन, सत्ता, पद, प्रतिष्ठा अर्जित करने पर ही सम्मान की पात्रता नही आती है जो निस्वार्थ भाव से मौन साधक बनकर अपने कर्तव्य का पालन कर रहे है वे भी सम्मान के पात्र है। परिश्रम व पुरूषार्थ से सब कुछ पाया जा सकता है। आलस्य सबसे बडी विकृति है। आपने कहा कि ईमानदारीए संयम और सेवा भाव से जो कार्य करता है वह सबसे सम्माननीय है। श्री गोपाल बैरागी ने कहा कि मोह भाव पतन का कारण है। मोह माया मे लिप्त व्यक्ति अपनी क्षमता का उपयोग नही कर पाता। श्री राजकुमार जसवंत ने भोजन व पोषण पर विचार रखे। डॉ.वीरेन्द्र कुमार गांधी चिकित्सक, श्री मोहनसिंह पंवार अभिभाषक, श्री अशोक त्रिपाठी पत्रकार, श्री राजेन्द्र मोदी व्यवसायी, श्री नीलम वीरवाल गौसेवक, श्री हरिनारायण माथुर शिक्षक, श्री कन्हैयालाल पण्ड्या समाजसेवी, श्री इकबाल मेव कृषक, श्रीमती इंदिरा पंचोली नर्स, श्री गोपाल बंजारा श्रमिक, हस्तशिल्पी मुज़फ्फर भाई, विभन्न कार्यो के माध्यम से शारीरिक श्रम सेवा के लिये श्री फकीरचंद परिहार, श्री कोमलचंद मालवीय, श्री बंशीलाल नागर, श्री माधुलाल पंवार, श्रीमती रामकन्या सोनी, भारत चौहान, भेरूलाल इन्दौरा, फकीरचंद माली, का सम्मान किया गया। श्री वीरेन्द्र भादविया ने स्वागत भाषण दिया। श्री राजेन्द्र तिवारी, श्री यशवंत प्रजापति, श्री अभयकुमार जैन ने भजन प्रस्तुत किये। डॉबीआर नलवाया श्री त्रिलोचनसिंह छाबडा, पं. प्रकाश दीक्षित, डॉ.रविन्द्र जोशी, शांतिलाल ब्रिजवानी नरेन्द्र खण्डेलवाल, डा.प्रकाश चंदवानी, श्री अजीत नाहरएश्री पारसमल मेहता विनोद नराणिया, किशोरीलाल चदेल, शंकरलाल त्रिवेदी, निरंजन भारद्वाज ने स्वागत किया। सचालन आध्यात्मिक चेतना अभियान के संयोजक श्री विनोद शर्मा एडवोकेट ने व आभार प्रदर्शन समन्वयक श्री प्रकाश कल्याणी ने किया।

बेहतर परीक्षा परिणाम लाने के लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण सम्पन्न

नीमच, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार जिले के सभी शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में कक्षा 9वीं एवं 10वीं में अध्यापन कराने वाले गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, संस्कृत एवं सामाजिक विज्ञान के विषय शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिले के शा.उत्कृष्ट उ.मा.वि. नीमच में जिला शिक्षा अधिकारी सी.के. शर्मा, सहायक संचालक एस.एम. मांगरिया, तथा मनोज जैन के मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में कक्षा 9वीं एवं 10वीं में शैक्षणिक कैलेण्डर के अनुसार मासिक अध्यापन में आने वाली एवं विषयगत कठिनाईयों का सरल तरीके से छात्रों को अध्यापन कराने के बारे में शिक्षकों को जिला स्तरीय रिसोर्स पर्सन द्वारा टिप्स दिए गये। जिससे छात्र अर्द्धवार्षिक परीक्षा एवं वार्षिक परीक्षाओं में बेहतर परीक्षा परिणाम ला सके। प्रशिक्षण में ब्लूप्रिंट पर आधारित प्रश्नों को हल करने तथा सरल तरीकेसे प्रश्नों के उत्तर छात्र तैयार कर सके, इसकेबारे में बताया गया। यह प्रशिक्षण आगामी दिसम्बर एवं जनवरी माह में भी आयोजित किया जाएगा। जिससे छात्रों को बेहतर तैयारी कराई जा सकेऔर कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम अच्छा आए। प्रशिक्षण में विषयवार कोर्स कॉडिनेटर जी.व्ही. श्रीवास्तव, आर. के शर्मा, आर.एस. शर्मा, अरूण गेहलोत, डॉ. अक्षयसिंह बावल द्वारा बेहतर परीक्षा परिणाम लाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह जानकारी ए.डी.पी.सी. श्री प्रलय उपाध्याय ने दी।

एनसीसी स्थापना दिवस का कार्यक्रम वात्सल्य धाम में सम्पन्न

मंदसौर, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। एनसीसी के 76वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में 21 एमपी बटालियन एनसीसी रतलाम के कमान अधिकारी श्री कर्नल संदीप अहलावत एवं सूबेदार श्री मेजर जयपाल सिंह के मार्गदर्शन में एनसीसी की संयुक्त इकाइयों द्वारा एक वृहद स्थापना दिवस का कार्यक्रम वात्सल्या धाम में आयोजित किया गया। जिसमें कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिक अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, लॉ कॉलेज के ट्रस्टी डॉक्टर क्षितिज पुरोहित, डॉक्टर हिमांशु यजुर्वेदी जिला चिकित्सालय मंदसौर एवं श्री आशीष बंसल समाजसेवी एवं शिक्षाविद, एनसीसी अधिकारी श्री विजय सिंह पुरावत सरदार पटेल उमावि क्रमांक 2 की प्राचार्य श्रीमती ज्योत्सना शर्मा एवं श्रीमती अग्रवाल, डॉ योगेश पटेल एवं थर्ड ऑफिसर हरीश पटेल एवं एनसीसी की छात्र-छात्राएं उपस्थित थी।

एनसीसी की छात्रा सैनिकों ने वात्सल्या धाम में जाकर वृद्ध जनों से आशीर्वाद प्राप्त किया एवं वृद्ध जनों का सम्मान किया। वृद्ध जनों ने छात्र सैनिकों को अपने जीवन के अनुभव सुनाए एवं वीररस की कविताओं से छात्र सैनिकों का उत्साह वर्धन किया। उन्हें देश सेवा एवं परिवार में सनातन संस्कृति तथा संस्कार की जानकारी दी। इस दौरान वात्सल्या धाम के प्रबंधक श्रीमती प्रियंका राजोरा और रेड क्रॉस सोसायटी अध्यक्ष प्रबंधक श्री प्रितेश चावला एनसीसी छात्र सैनिकों का एवं उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया। छात्र सैनिकों को वृद्ध जनों का सम्मान एवं सेवा करने की शपथ दिलाई। छात्र सैनिकों के द्वारा स्वच्छता और रक्त दान को लेकर एक जन जागरूकता रैली का आयोजन वात्सल्य धाम से दादा-दादी पार्क तक किया गया।

कार्यालय :- **नवीन कुमार निमावत**, एडवोकेट
जवाहर मार्ग, जावद, जिला-नीमच (म.प्र.) मो.नं. 9425033929, 9806883929

**** जाहिर सूचना ****

बनाम :- सर्व साधारण

इस जाहिर सूचना के द्वारा सर्व साधारण एवं संबंधित पक्षकारान को सूचित किया जाता है कि मेरे व्यवहारी ने सीताबाई पति रमेश जी जाति सिलावट एवं पंकज पिता रमेश जी जाति सिलावट, निवासीयान ग्राम दामोदरपुरा, तहसील जावद, जिला नीमच (म.प्र.) के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि प.ह.नं. 17, ग्राम दामोदरपुरा, तहसील जावद, में स्थित कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 75/1 रकबा 0.040 हैं. भूमि जिसकी चतुरसीमा उत्तर में सर्वे क्रमांक 80/2 की भूमि, दक्षिण में सर्वे क्रमांक 75/2 की भूमि, पूर्व में सर्वे क्रमांक 77 की भूमि, पश्चिम में सर्वे क्रमांक 74 की भूमि को मेरे पक्षकार ने खाते-खसरो में वर्णित भूमिस्वामी से क्रय करने का मौखिक अनुबंध किया है। मौखिक अनुबंध अनुसार मेरा व्यवहारी उक्त क्रय की जा रही सम्पत्ति के विक्रय धन का प्रतिफल विक्रेता को अदा कर विक्रय पत्र का पंजीयन करायेगा। उक्त सम्पत्ति पर किसी भी व्यक्ति या संस्था का किसी भी प्रकार का कोई रहन, बय, दान, कब्जा व ॠण भार नहीं होने संबंधी विक्रेता द्वारा बताया गया हैं। उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन मेरे व्यवहारी के पक्ष में विक्रय धन राशि मेरे व्यवहारी द्वारा विक्रेता को अदा कर उप पंजीयक कार्यालय जावद में विक्रय पत्र का पंजीयन करवाया जायेगा जिस किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज साक्ष्य के सात दिवस में कार्यालयीन समय में मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। पंजीयन के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति पेश की जाती है तो मेरे व्यवहारी के मुकाबले व्यर्थ एवं प्रभावशून्य होगी जो सभी पक्षो पर बंधनकारी होगी।

भवदीय
दिनांक: 25.11.2024
नवीन कुमार निमावत, एडवोकेट, जावद

सिविल सर्जन कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश की अनदेखी, दो सप्ताह बाद भी क्रियान्वयन नहीं

मंदसौर, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला चिकित्सालय मंदसौर के सिविल सर्जन कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश की अवहेलना का मामला सामने आया है। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) द्वारा 12 नवंबर 2024 को जारी आदेश के तहत कर्मचारियों के प्रभार में बदलाव की अधिसूचना दी गई थी, लेकिन दो सप्ताह बीत जाने के बाद भी संबंधित आदेशों का क्रियान्वयन नहीं हुआ है।

नेमीचंद राठौर

क्या था आदेश?–सीएमएचओ कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती हेमलता बटवाल द्वारा बालचर्या अवकाश (मैटरनिटी लीव) से संबंधित शिकायत और अवकाश स्वीकृत करने हेतु रिश्वत की मांग से संबंधित गंभीर आरोपों की जांच पूरी कर ली गई थी। इसके बाद प्रशासकीय सुविधा और कार्यकुशलता सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों के प्रभार में बदलाव किया गया। इस आदेश में उच्च श्रेणी लिपिक हीरालाल दायमा को डायटिशियन शाखा से हटाकर स्थापना शाखा का प्रभार दिया गया। वहीं, स्टीवर्ड जितेंद्र जैन को डायटिशियन के अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। सहायक ग्रेड-3 श्रीमती रश्मि चौहान को स्थापना शाखा से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र शाखा में स्थानांतरित किया गया और सहायक ग्रेड-3 श्री विनयराज सिंह चंद्रावत को स्थापना शाखा में नियुक्त किया गया। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होना था।

आदेशों की अनदेखी–आश्चर्य की बात यह है कि इन स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, सिविल सर्जन कार्यालय ने अभी तक आदेश का पालन नहीं किया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रशासनिक आदेशों को सिविल सर्जन कार्यालय में गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

प्रभाव और सवाल–वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों का पालन न होना, प्रशासनिक कार्यकुशलता और अनुशासन पर सवाल खड़े करता है। यदि ऐसी अनदेखी जारी रही, तो इससे सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार और लापरवाही को बढ़ावा मिल सकता है। साथ ही, कर्मचारियों और शिकायतकर्ताओं के हितों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

प्रशासन की जिम्मेदारी–इस पूरे प्रकरण में सीएमएचओ कार्यालय और जिला प्रशासन को हस्तक्षेप कर सुनिश्चित करना चाहिए कि आदेशों का तुरंत पालन हो। प्रशासनिक आदेशों की अनदेखी न केवल प्रशासनिक अक्षमता को दर्शाती है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर भी नकारात्मक प्रभाव डालती है। सिविल सर्जन कार्यालय की यह लापरवाही न केवल उच्च अधिकारियों के आदेशों का उल्लंघन है, बल्कि यह जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है। अब देखना यह होगा कि वरिष्ठ अधिकारी इस मामले को संज्ञान में लेकर कब तक कार्रवाई सुनिश्चित करते हैं। इस संदर्भ में प्रभारी सिविल सर्जन सौरभ मंडवारिया ने बताया कि हीरालाल दायमा का यह कहना हैं कि स्थापना के कार्य के लिए अभी वे सक्षम नहीं हैं 1 दिसंबर से किचन की व्यवस्था आउटसोर्स को जा रही हैं उसके बाद देखेंगे, वहीं रश्मि चौहान पेंशन प्रकरण का कार्य देख रही हैं, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र नवीन बंदेवार देख रहे हैं, विनय चंद्रावत सहायक स्थापना देख रहें हैं।

एमपी बोर्ड परीक्षा : एक केंद्र पर रह सकेंगे अधिकतम 250 परीक्षार्थी, नकल रोकने के लिए कवायद

भोपाल, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) से संबद्ध स्कूलों में 10वीं व 12वीं की परीक्षाएं आगामी 25 फरवरी से शुरू हो जाएंगी। इन परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए माशिमं ने प्रत्येक केंद्र पर अधिकतम 250 परीक्षार्थियों को ही शामिल करने के निर्देश दिये हैं। बताया जा रहा है कि इस नई व्यवस्था को लागू करने के लिए प्रदेश में चार हजार से अधिक केंद्रों की जरूरत पड़ेगी।

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने उन्हीं स्कूलों को केंद्र बनाने को कहा है जिनके पास फर्नीचर, पेयजल, शौचालय, बिजली, इंटरनेट, सीसीटीवी कैमरों की सुविधा हो। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को केंद्र तय करने की जिम्मेदारी दी गई है। वे जिला शिक्षा अधिकारी और अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के साथ प्रस्तावित केंद्रों में खुद जाकर सुविधाएं देखेंगे। उनके अनुमोदन के साथ यह प्रस्ताव माध्यमिक शिक्षा मंडल को भेजा जाएगा। यहां से मंजूरी मिलने के बाद ही परीक्षा केंद्रों पर मुहर लगेगी।

बताया जा रहा है कि सामान्य तौर पर 30 सितंबर तक केंद्रों का चयन कर लिया जाना था। लेकिन, नये निर्देशों की वजह से इसमें देरी हो रही है। दिसंबर के पहले सप्ताह तक केंद्रों का चयन कर लेने की कोशिश हो रही है।

इस बार निजी स्कूलों में अधिक केंद्र...

अधिकारियों का कहना है कि कई बार मंडल में शिकायत मिली है कि केंद्रों पर परीक्षार्थियों की संख्या अधिक होने के कारण परेशानी होती है। वे एक साथ बैठ जाते हैं और नकल होने लगती है।

बेंच व डेस्क पर जगह नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को नीचे बैठाया जाता था, जिससे समुचित निगरानी करना संभव नहीं हो पाती। इस कारण इस बार निजी स्कूलों में अधिक केंद्र बनाए जाएंगे।

एप के जरिए उड़नदस्तों की निगरानी...

इस बार मंडल उड़नदस्तों को लेकर भी व्यवस्था में बदलाव कर रहा है। पिछली परीक्षा तक अलग-अलग स्तर पर उड़नदस्ते बनाए जाते थे। इनमें ब्लॉक लेवल, जिला स्तर पर डीईओ, संयुक्त संचालक सहित स्कूल शिक्षा के अन्य अधिकारी भी उड़नदस्ते में शामिल होते हैं। इनमें से सभी पर निगरानी मंडल लेवल पर नहीं हो पाती थी। इस बार एप के जरिए मंडल खुद इसकी निगरानी करेगा।

इनका कहना...

कई जिलों से परीक्षार्थियों की संख्या अधिक होने से नकल की संभावना बढ़ने की शिकायतें मिली थीं। उसकी वजह से इस बार परीक्षा केंद्रों में परीक्षार्थियों की संख्या सीमित रखने का निर्देश दिए गए हैं। कम संख्या होने से निगरानी आसान होगी।

केडी त्रिपाठी, सचिव माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल

अटाले में पड़ी पर्यटन विभाग की नाव– तेलिया तालाब में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मिली नाव रामघाट पर अटाले में पड़ी है। बता दें कि पूर्व में तेलिया तालाब पर चलाने के लिए पर्यटन विभाग द्वारा नगरपालिका को चार नाव दी गई थी। किंतु सिर्फ एक दिन नाव चलाने के बाद वे नाव कही दिखाई नहीं दी। एक नाव जरुर रामघाट पर अटाले में देखी गई।

सरकारी अस्पतालों में उपचार करेंगे निजी डाक्टर्स, प्रति केस होगा भुगतान

उज्जैन, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञों के खाली पदों पर निजी डॉक्टरों को अनुबंधित करने विभाग ने समिति बनाई है। यह काम रोगी कल्याण समिति के जरिए होगा। अनुबंधित डॉक्टरों को मरीजों के पूरे उपचार के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज होने और उसके पहले फॉलोअप के बाद ही भुगतान किया जाएगा। निजी डॉक्टरों को एक साल के अनुबंध पर रखा जाएगा। आयुक्त स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तरुण राठी ने आदेश जारी किया है।

हर महीने होगा भुगतान...

जिन सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों के पद खाली हैं, जबकि सभी संसाधन हैं तो निजी विशेषज्ञों को अनुबंधित किया जाएगा। प्रति केस के मान से मासिक आधार पर भुगतान किया जाएगा। नियुक्ति के लिए न्यूनतम तीन वर्ष का अनुभव अनिवार्य किया गया है।

समिति में यह सदस्य...

जिला मुख्यालय के बड़े अस्पतालो में निजी विशेषज्ञों को अनुबंधित करने समिति बनाई गई है। इसके अध्यक्ष सिविल सर्जन-सह मुय अस्पताल अधीक्षक, आरएमओ, दो वरिष्ठ चिकित्सक, जिला नोडल अधिकारी, रोगी कल्याण समिति, जिला लेखापाल सदस्य होंगे। सहायक प्रबंधक जिला अस्पताल सदस्य सचिव होंगे। सीएमएचओ के अधीन अस्पतालों में नियुक्ति के लिए सीएमएचओ की अध्यक्षता में समिति बनाई गई है। इसमें डीएचओ, दो वरिष्ठ चिकित्सक, जिला लेखापाल सदस्य, संबंधित संस्था प्रमुख सदस्य सचिव होंगे।

महिला को पीटा, तीन पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भैंस चराने से मना किया तो दम्पत्ति को पीटा। पुलिस ने केस दर्ज किया। पिपलियापंथ निवासी देवकन्या पति भेरुलाल गुर्जर ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि पिपलियापंथ निवासी नरेन्द्र, गोपाल व नवीन मेरे खेत में भैंस चरा रहे थे। मना किया तो तीनों ने मेरे व मेरे पति के साथ मारपीट की। पुलिस ने तीनों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

सिंहस्थ 2028 की तैयारियां शुरू, सरकार कराएगी 15,567 करोड़ के विकास कार्य

भोपाल, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश में सिंहस्थ-2028 की तैयारी राज्य सरकार ने शुरू कर दी है। इसके लिए पांच सौ करोड़ रुपये का बजट प्रावधान भी किया गया है। मगर, सिंहस्थ के कार्यों में इससे अधिक व्यय होगा। सिंहस्थ की तैयारियों के तहत 18 विभागों ने 568 कार्यों का प्रस्ताव शासन को सौंपा है।

इन कार्यों में 15,567 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इनमें नदियों पर घाटों का निर्माण, वहां सुरक्षा व्यवस्था, सड़क, पुल निर्माण, सिंहस्थ मेला क्षेत्र का विकास, परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के कार्यों को प्राथमिकता में रखा गया है। वहीं, तीन साल से अधिक अवधि के कार्यों को लेकर भी बजट निर्धारित किया जाएगा।

केंद्र सरकार से मांगा जाएगा बजट–इनमें से अधिकांश कार्यों के लिए केंद्र सरकार से भी बजट मांगा जाएगा। विभागों को केंद्र से सहायता प्राप्त करने के लिए कार्यों का प्रस्ताव बनाकर भारत सरकार को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। फिलहाल सिंहस्थ 2028 से जुड़ी 19 पहलों के लिए 5,882 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। इनमें जल संसाधन, नगरीय प्रशासन एवं विकास, ऊर्जा, लोक निर्माण, संस्कृति और पुरातत्व विभागों की परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। बताते चलें कि भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से दो ज्योतिर्लिंग मध्य प्रदेश में हैं। उज्जैन के महाकाल ज्योतिर्लिंग और ओंकारेश्वर में बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं।

भीड़ संभालने के लिए बनेगी कुशल यातायात प्रणाली–हर 12 वर्ष में पवित्र शहर उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ के लिए प्रसिद्ध मध्य प्रदेश राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर एक विशेष स्थान रखता है। वहीं, सिंहस्थ में दुनिया भर से लगभग 15 करोड़ आगंतुकों के आने की उम्मीद की जा रही है। लिहाजा, इतनी बड़ी संख्या में आने वाले भक्तों की भीड़ को संभालने के लिए उज्जैन में एक कुशल यातायात प्रणाली भी बनाई जाएगी। पैदल आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग रास्ता बनाया जाएगा, ताकि वाहनों की वजह से जाम न लगे और लोगों को परेशानी न हो।

प्रारंभिक कार्यों की यह परियोजनाएं स्वीकृत–✻ 29.21 किलोमीटर लंबे घाटों का 778.91 करोड़ से निर्माण किया जाएगा और 1,024.95 करोड़ रुपये से कान्ह नदी का 30.15 किलोमीटर का डायवर्जन किया जाएगा। ✻ क्षिप्रा नदी पर सिलारखेड़ी-सेवरखेड़ी बांध के निर्माण से जुड़ी एक सतत जल प्रवाह योजना के लिए 614.53 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। ✻ जल विनियमन के लिए क्षिप्रा नदी पर 74.67 करोड़ रुपये से 14 और कान्ह नदी पर 43.51 करोड़ रुपये से 11 प्रस्तावित बैराज बनाए जाएंगे। ✻ 198 करोड़ के आवंटन के साथ उज्जैन शहर सीवरेज परियोजना, 250 करोड़ की लागत से अल्ट्रा-हाई-प्रेशर कार्य के लिए एक नया ईएचवी सबस्टेशन, 16.80 करोड़ की लागत से हाई-प्रेशर स्टेशन की क्षमता वृद्धि और 29.83 करोड़ की लागत से 33/11 केवी सबस्टेशन स्थापित किया जाएगा। ✻ 4.50 करोड़ 33 केवी लाइन और इंटरकनेक्शन (10 किमी) के निर्माण के लिए अलग रखे गए हैं। 18.36 करोड़ 80 किमी तक फैले समान कार्यों के लिए और 10.08 करोड़ ओंकारेश्वर बजट के तहत भूमिगत केबल कार्य पर व्यय किए जाएंगे।

कांस्टेबल पर अभद्रता का आरोप

अभिभाषकों ने सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

सीतामऊ, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर में पुलिस और वकीलों के बीच टकराव गहराता जा रहा है। अधिवक्ता श्याम दास बैरागी के साथ पुलिस कांस्टेबल अमित व्यास द्वारा कथित अभद्रता के मामले ने जोर पकड़ लिया है। घटना के विरोध में सीतामऊ अभिभाषक संघ के सदस्यों ने थाना प्रभारी मोहन मालवीय को पुलिस कप्तान मंदसौर के नाम ज्ञापन सौंप कर कार्यवाही की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि बीती 23 नवंबर को अधिवक्ता श्याम दास बैरागी के एक पक्षकार पर दबाव डालकर किसी अन्य वकील के पास भेजने की कोशिश का आरोप आरक्षक अमित व्यास पर लगा। इस पर श्याम दास बैरागी ने जब आरक्षक से बातचीत की, तो कथित रूप से अभद्र भाषा का उपयोग किया गया। इससे वकीलों में आक्रोश फैल गया। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्याम नारायण जोशी ने बताया कि सीतामऊ थाने के कुछ पुलिसकर्मी अवैध लाभ अर्जित करने के लिए नागरिकों पर दबाव बनाकर उन्हें विशेष वकील के पास भेजते हैं। यह अनुचित है और इसे तत्काल रोका जाना चाहिए। वकीलों ने मांग की है कि आरक्षक अमित व्यास को तत्काल निलंबित किया जाए और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। अभिभाषकों ने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं की गई, तो वे आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

वकीलों ने एकजुट होकर थाना परिसर में नारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्देशित करने की भी मांग की, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। अभिभाषक संघ ने साफ किया कि अगर उनकी मांगों को अनसुना किया गया, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे। इस मौके पर संघ के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

मंदसौर एवं मल्हारगढ़ संकुल की आर्थिक कार्यशाला संपन्न

मंदसौर, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विद्या भारती मालवा मंदसौर विभाग के अंतर्गत मंदसौर एवं मल्हारगढ़ संकुल की आर्थिक कार्यशाला सरस्वती शिशु मन्दिर केशव नगर मंदसौर में सम्पन्न हुई। जिसमें केशव नगर मंदसौर, अभिनंदन नगर मंदसौर, सीतामऊ, कैलाशपुर, पिपलियामंडी, मल्हारगढ़, नारायणगढ़ विद्यालय सम्मिलित रहें। उद्घाटन सत्र में मंचस्थ आतिथ्य एवम् मार्गदर्शक के रूप में मंदसौर विभाग के सम्माननीय विभाग समन्वयक श्रीमान राघवेंद्र जी देराश्री, मध्य क्षेत्र के पूर्व छात्र संयोजक एवम् भारतीय आदर्श शिक्षण समिति (सरस्वती विहार संजीत मार्ग) के कोषाध्यक्ष श्रीमान राजदीप जी परवाल, प्रो. राजेंद्र सिंह शिक्षण समिति केशव नगर मंदसौर के कोषाध्यक्ष श्रीमान नितेश जी भदादा का सानिध्य प्राप्त हुआ। अतिथि परिचय अभिनंदन नगर मंदसौर के प्रधानाचार्य श्रीमान मुकेश जी पाठक ने कराया, अतिथि स्वागत केशव नगर मंदसौर के प्राचार्य श्रीमान संतोष जी यादव एवम् पिपलिया मंडी के प्राचार्य श्रीमान प्रकाश जी धाकड ने किया।

विभाग समन्वयक महोदय ने आर्थिक निरीक्षण में रखने वाली सावधानियों से अवगत कराया एवं लेखाबंधी के महत्व को समझाते हुए हमारे आर्थिक कार्य में शुचिता रहे ऐसी अपेक्षा सभी से की। सरस्वती विहार के कोषाध्यक्ष महो. सम्माननीय श्री राजदीप जी ने अवगत कराया कि लेखा कार्यों के निरीक्षण करते समय किन किन दस्तावेजों का अवलोकन करना हैं इस ओर ध्यान आकृष्ट किया। केशव नगर मंदसौर के कोषाध्यक्ष श्री नितेश जी ने लेखा में नगदी खर्चे, दस्तावेजों का संधारण, आडिट रिपोर्ट की जानकारी से सभी को अवगत कराया। तत्पश्चात् समूह में सभी विद्यालय का आर्थिक निरीक्षण प्रारंभ हुआ। जिसमें रसीद बुक, दैनिक, रोकड़, खाता, आडिट रिपोर्ट, मासिक तलपट, भौतिक सत्यापन सूची, अनुमानित बजट, स्थाई अस्थाई पंजी सभी का मिलान एवं निरीक्षण किया गया, साथ ही आवश्यक निर्देश एवं सुझाव भी प्रदान किए गए। अंत में सभी ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए शांति मंत्र के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

उज्जैन में होने वाले दुर्गावाहिनी के मालवा प्रान्त के सबसे बड़े शक्ति संगम को लेकर...

विहीप मंदसौर विभाग बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विश्व हिन्दू परिषद मन्दसौर विभाग की बैठक संत श्री अमरदास हाल गुरुद्वारा रोड मन्दसौर में विहीप विभाग संयोजक अनुपालसिह झाला, बजरंगदल विभाग संयोजक खुमानसिंह जी की उपस्थिति में बैठक में विहीप के आगामी कार्यक्रमो से सम्बंधित विषयो पर चर्चा हुई जिसमें सबसे महत्वपूर्ण दिनांक 29 दिसम्बर को उज्जैन महानगर में विहीप के आयाम दुर्गावाहिनी का मालवा प्रान्त का सबसे बड़ा शक्ति संगम साध्वी ऋतुम्भरा जी के सानिध्य में सम्पन्न होने वाला है जँहा प्रान्त की सबसे बड़ी मान वन्दना यात्रा दुर्गवाहिनी की निकलेगी जिसके हेतु मन्दसौर विभाग से 1500 बहनो का लक्ष्य पूरे विभाग से रखा गया है जिसमे प्रत्येक प्रखण्ड से बसों द्वारा बहने उज्जैन शक्ति संगम मे ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।। साथ ही 10 से 20 दिसम्बर तक पूरे मन्दसौर विभाग के सभी प्रखण्डों में बजरंगदल की शौर्य यात्राएं निकलेगी जिसकी तैयारी बड़े स्तर पर करना है एवं नशे से मुक्ति हेतु विहीप बजरंगदल द्वारा प्रत्येक प्रखण्ड केन्द्र पर 30 नवम्बर तक रन फ़ॉर हेल्थ मैराथन का आयोजन भी होगा जिसने नशे के विरुद्ध जनजागरूकता सन्देश बजरंगदल समाज को देगा।। ऐसे ही अनेक विषयों पर चर्चा विभाग बैठक में हुई जिसमें मन्दसौर विभाग के मन्दसौर,, नीमच एवं गरोठ जिले के सभी प्रखण्ड केंद्रों से करीब डेढ़ सौ के लगभग कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।। उक्त जानकारी विहीप मन्दसौर जिला मंत्री हेमन्त मूलचंदानी द्वारा दी गई।

माल पेश नही किया, केस दर्ज

पिपलियामंडी, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। न्यायालय के आदेश पर माल पेश नही करने व अनुपस्थित होने पर आरोपी के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया। रुपी निवासी रमेश पिता मोडीराम मेघवाल के खिलाफ मल्हारगढ़ पुलिस ने धारा 316 (2) बीएनएस में केस दर्ज किया। पुलिस के अनुसार आरोपी को माल पेश करने का नोटिस तामिल करने के बाद आरोपी अनुपस्थित रहा व माल पेश नही किया।

नप ने डस्टबिन वितरण कर दिया स्वच्छता का संदेश

सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान एवं डस्टबीन वितरण सम्पन्न

मनासा, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में मनासा नगर को नंबर वन बनाने के लिए नगर परिषद द्वारा नित नवीन नवाचार एवं जागरूकता अभियान चलाए जा रहे है।25 नवम्बर 2024 को नगर परिषद द्वारा सिंगल युज प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत नगर में डोर डोर दूकानों पर सम्पर्क कर नागरिकों को समझाइस दी गई साथ ही डस्टबिन भी वितरीत किए गए। नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर अजय जी तिवारी ने हाथ ठेला विक्रेता और होटल संचालकों को डस्टबिन देकर उनसे आग्रह किया। श्री तिवारी ने कहा यह शहर आपका अपना शहर है इसे स्वच्छ सुंदर रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। नगर परिषद अपना काम कर रही है लेकिन स्वच्छता के प्रति हमें भी जागरूक होना होगा। सभी अपनी दूकानों के बाहर डस्टबीन अवश्य रखे। दूकान के बाहर सड़क और आसपास कचरा बिखरा ना मिले। डस्टबिन वितरण के साथ ही नगर में अपनी दूकानों के बाहर कचरा फैलाने पर 12 दूकानदारो के खिलाफ नगर परिषद द्वारा चालानी कार्रवाई भी की गई। सफाई दरोगा दिनेश राठौर, जमादार अश्विन दुर्गज और सहयोगी संस्था के सदस्यों ने नागरिकों को समझाइस दी। पॉलिथिन की बजाय कपड़ा बेग उपयोग करने के निवेदन किया। स्वच्छता नोडल लोकेंद्र साधु ने बताया स्पॉट फाइन की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

जिले में आज संविधान दिवस मनाया जावेगा

नीमच, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में आज 26 नवम्बर, 2024 को संविधान दिवस मनाया जा रहा है।, भारत के संविधान को अपनाये जाने के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारत सरकार द्वारा संविधान दिवस को संपूर्ण नगरीय तथा ग्रामीण क्षेत्रों में उत्सवपूर्वक मनाये जाने के निर्देश जारी किये गये हैं। संविधान दिवस पर संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन हेतु अधिकाधिक संख्या में शासकीय सेवकों के साथ साथ आम जनता की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

चोरियों की वारदात से परेशान ग्रामीण गरोठ पहुंचे, चौकी स्थापना की मांग

गरोठ, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। समीपस्थ गांव खड़ावदा में चोरी की घटनाओं से परेशान ग्रामवासी बस भरकर गरोठ थाने पर पहुंचे। गरोठ थाने पर उन्होंने गांव खड़ावदा में पुलिस चौकी को लेकर लिखित में आवेदन दिया और चौकी की मांग करी।

ग्राम वासियों ने बताया कि खड़ावदा में शाम ढलते ही चोरों का आतंक बढ़ जाता है। गांव में सभी जगह चोरी हो रही हैं। सभी ग्रामवासी करीब 8:00 बजे दुकान बंद करके अपने-अपने घरों में चले जाते हैं। चोरों द्वारा कुछ घरों को निशाना बनाया जा रहा है। वही संतोष दानगढ़ ने बताया कि हम गांव से पुलिस चौकी की मांग को लेकर आए हैं। अगर चौकी की व्यवस्था ना हो सके तो हमें दो पुलिसकर्मी गांव के लिए दे दिए जाएं। जिनके साथ मिलकर हम चोरों का सामना कर सकते हैं। हालांकि, पुलिस ने ठंडे छींटे मारकर ग्रामीणों को शांत कर भेज दिया।

राजस्व महाअभियान के तहत विशेष शिविरों में...

नि:शुल्क करवाएं ई-केवायसी एवं फार्मर रजिस्ट्री

नीमच, 25 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिले में चलाए जा रहे राजस्व महाअभियान के तहत गांव-गांव में विशेष राजस्व शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही राजस्व अमले द्वारा डोर-टू-डोर खसरा, ई-केवायसी का कार्य भी किया जा रहा है। जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर विशेष राजस्व शिविर आयोजित किए जा रहे है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने किसानों से इन शिविरों में उपस्थित होकर, अपना खसरा, ई-केवायसी, नि:शुल्क करवाने की अपील की है। कलेक्टर ने कहा, कि भविष्य में किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना सहित विभिन्नं योजनाओं का लाभ खसरा, ई-केवायसी एवं फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से ही प्राप्त होगा। अत: सभी किसान अपना खसरा ई-केवायसी एवं फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से करवाएं।

राजस्व महाअभियान के तहत आज नीमच में ई-केवायसी, फार्मर रजिस्ट्री शिविर:–कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार राजस्व महाअभियान 3.0 अंतर्गत ई-केवाईसी, आधार से भूखण्ड की लिंकिग हेतु विशेष शिविर का आयोजन 26 व 27 नवम्बर 2024 को जय जिनेन्द्र रिसोर्ट नीमच, बालाजी मंदिर नेक्शा शोरूम के पास नीमच सिटी एवं नाका नंबर 04 बघाना में आयोजित किया जा रहा है। इन शिविरों में सभी भूखण्ड धारक, आधार कार्ड खसरा नकल, मोबाइल आधार नंबर से लिंक करवा सकते हैं। उक्त दस्तावेज के साथ शिविर में उपस्थित होकर ई-केवाईसी करवाएं। तहसीलदार नीमच नगर सुश्री जागृति जाट ने बताया, कि राजस्व महाअभियान के तहत आज 26 नवम्बर को जय जिनेन्द्र रिसोर्ट, नीमच, नाका नंबर 4 बघाना एवं 27 नवम्बार 2024 को बालाजी मंदिर, नेक्शा2 शोरूम के पास नीमच सिटी एवं नाका नम्बर बघाना में शिविर आयोजित किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in